सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 69, नई दिल्ली । मंगलवार, 21 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

समय रहते कर लीजिये
समय की कद्र, क्योंकि
समय से बलवान कोई नहीं

03 सिसोदिया, जैन, मालीवाल को छोड बिभव कुमार के लिए सडकों पर क्यों उतरे केजरीवाल
06 सियासत में उपेक्षित वीरभूमि का सैन्य बलिदान
08 ओड़िशा मे शाम 5 बजे तक 60.55 फीसदी वोटिंग

हेलमेट पुलिस को देखकर नहीं अपने परिवार को देखकर पहने :इंस्पेक्टर सतीश कुमार

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद। जिला फ़रीदाबाद उपायुक्त विक्रम सिंह आईएएस के आदेशानुसार व प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण फरीदाबाद के डीटीओ मनीष सहगल एवं डिप्टी कमिश्नर ट्रैफिक पुलिस फरीदाबाद उषा के निर्देशनुसार एवं एवं सतीश कुमार ट्रैफिक इंस्पेक्टर ग्रेटर फरीदाबाद एवं सरदार देवेंदर सिंह सदस्य स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार के मार्ग दर्शन में मोटर व्हीकल एक्ट 2019 जागरूकता अभियान आज Emerald Height सोसइटी,सेक्टर- 88,खेड़ी रोड ग्रेटर फरीदाबाद मे चलाया गया

आज Emerald Height सोसइटी,सेक्टर- 88,खेड़ी रोड ग्रेटर फरीदाबाद मे सभी सोसाइटी के निवासीयो को यातायात नियमो के बारे में सतीश कुमार ट्रैफिक इंस्पेक्टर ग्रेटर फरीदाबाद के द्वारा विस्तार से बताया गया कि मोटर व्हीकल एक्ट 2019 अमाइड मेंट के बारे विशेष जानकारी दी गई इस प्रोग्राम का आयोजन विकास खत्री प्रधान Emerald Height सोसइटी एवं रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.) के द्वारा आज शाम के करवाया गया

सतीश कुमार ट्रैफिक इंस्पेक्टर ग्रेटर फरीदाबाद के द्वारा विस्तार से जानकारी दी गयी कि सड़क पर हमेशा ही चलते समय सभी दुपहिया वाहन को चलाते समय दोनों सवारी को हेलमेट पहनना भारत सरकार के द्वारा अनिवार्य है दुपहिया वाहन चालको को अपने अपने हेलमेट की सेफ़्टी बेल्ट लगाने के बारे में बड़ी जानकारी दी अक्सर हम सभी जल्द बाज़ी में हम सभी वाहन चालक हेलमेट की बेल्ट नहीं लगाते है और सड़क पर कोई झटका लगने से हेलमेट दूर सड़क पर गिर जाता है जिसका सुरक्षा का कोई फ़ायदा नहीं इसलिए हमेशा हेलमेट की बेल्ट ज़रूर लगाए, दुपहिया वाहन चालको को ISI मार्क हेलमेट ही पहनना अनिवार्य है सभी दुपहिया वाहन पर चालक अपने अपने वाहन में साइड के दोनों शीशे लगाना भी अब अनिवार्य है वरना आपका चालान सड़क पर CCTV कैमरे एवं ट्रैफिक पुलिस के माध्यम से कट सकता है और अपने अपने वाहन को सड़क पर चलाते समय हमेशा ही अपनी निर्धारित गति सीमा में ही अपना अपना वाहन चलाए सड़क पर सभी वाहन चालक अपनी अपनी गाड़ी चलाते समय सभी चालक अपनी अपनी लेन में ही हमेशा सड़क पर चले मोटर व्हीकल एक्ट 2019 में जुर्माने अब 10 गुना पुरे देश एवं सभी प्रदेश में बढ़ चुके है आप सभी अपनी अपनी कार में दोनों सवारी एवं पीछे बैठे हुई सवारी को सीट बेल्ट लगाना अब पुरे देश एवं प्रदेश में अनिवार्य है अपनी अपनी गाड़ी में पिछली सीट पर भी सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य है वरना आपका चालान सड़क पर अब ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सड़क पर एवं CCTV कैमरे के माध्यम से कट सकता है किरपा आप सभी प्रेशर होर्न सड़क पर बिलकुल न बजाये इसका जुर्माना 10,000 हो गया है इसलिए हमेशा ट्रैफिक के नियमो की पालना सड़क पर अबश्य करे आप के साथ आपका परिवार भी जुड़ा हुआ है सड़क पर आपकी छोटी से गलती आपके परिवार को नुकसान दे सकती है युवा बच्चो को समझाया गया की बुलेट मोटरसाइकिल में पटाखा साईंलेंसर या कोई भी साईंलेंसर लगाने पर 10 हज़ार का चालान कट सकता है वाहन चलाते समय मोबाईल भी बिल्कुल ना चलाए अपने अपने वाहन लो चलाते समय आप सभी कान के अंदर अपनी लीड बिलकुल ना लगाए और सबसे महत्बपूर्ण अगर सड़क पर किसी का दुर्घटना होती है और पीक आवर गोल्डन होरस में यानी जल्द से जल्द अस्पताल पहुँचाओ और सरकार द्वारा ईनाम पाओ इसकी जानकारी भी सभी सदस्यों को आज दी गई

सतीश कुमार ट्रैफिक इंस्पेक्टर ग्रेटर फरीदाबाद ने ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के बारे में बताया की आप सभी सारथी ऐप के माध्यम से अपना लर्निंग लाइसेंस एवं पक्का लाइसेंस बनवा सकते है दूसरा 16 साल से 18 साल तक के सभी बच्चे 50 सीसी वाली स्कूटी ही चला सकते है लाइसेंस बनवा कर डिज़ी लाकर में अपने गाड़ी के सारे डॉक्यूमेंट लाइसेंस, RC वाहन का रेजिस्ट्रशन सर्टिफिकेट , इन्शुरन्स, पोलुशन सर्टिफिकेट 4 चीजे हमेशा अपने अपने वाहन में हमेशा ही रखे

इस अवसर पर रोड सेफ्टी ओमनी फाऊडेशन से विवेक चंडोक,सोरभ बिंदल व बिजेंद्र सैनी ,सोसइटी के प्रधान विकास खत्री ,वाईस प्रेजिडेंट वीना सरदाना, आर पी अस प्रधान विश्वरूप ,ओमालिक के प्रधान सचिन गुप्ता व सोसइटी कें गणमान्य आदमी एवं स्कूल एवं कॉलेज के बच्चे मोजूद रहे स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार के सदस्य सरदार देवेंद्र सिंह भी मोके पर मौजूद थे।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020) , एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा : एमराल्ड हाइट्स सोसाइटी में ट्रैफिक नियमों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

एमराल्ड हाइट्स सोसाइटी, सेक्टर-88 खेड़ी रोड, ग्रेटर फरीदाबाद में सभी निवासियों के लिए एक विशेष ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ट्रैफिक इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने मोटर व्हीकल एक्ट 2019 के संशोधन और यातायात नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम का आयोजन एमराल्ड हाइट्स सोसाइटी के प्रधान विकास खत्री और रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.) के संयुक्त प्रयास से किया गया था। इसमें बड़ी संख्या में सोसाइटी के निवासियों ने भाग लिया और ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

सतीश कुमार ने मोटर व्हीकल एक्ट 2019 के अंतर्गत किए गए प्रमुख संशोधनों के बारे में जानकारी दी, जिसमें विभिन्न यातायात नियमों, चालान की प्रक्रियाओं, और यातायात सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार नए कानूनों का पालन करके हम अपने और दूसरों के जीवन को सुरक्षित रख सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान निवासियों को सड़क पर सुरक्षित ड्राइविंग, सीट बेल्ट और हेलमेट के उपयोग, नशे में गाड़ी न चलाने और स्पीड लिमिट का पालन करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी प्रकाश डाला गया। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्मानों और कानूनी प्रावधानों के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

इस अवसर पर विकास खत्री ने कहा, "हमारा उद्देश्य सोसाइटी के सभी निवासियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाना है। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से हम अपने समुदाय को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं।"

रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और यातायात सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंत में निवासियों ने अपने सवाल पूछे और ट्रैफिक इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने उनके सभी सवालों का संतोषजनक उत्तर दिया। इस तरह के कार्यक्रम न केवल जागरूकता बढ़ाने में मदद करते हैं बल्कि समुदाय को एकजुट कर सुरक्षित और अनुशासित समाज बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ अंकुर शरण, Road Safety Omni Foundation
roadsafetysquad@gmail.com

पर्यावरण पाठशाला : युवा शक्ति का नोएडा क्षेत्र में हरनंदी नदी पर स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा क्षेत्र में बहने वाली हिंडन नदी, यमुना नदी की एक महत्वपूर्ण सहायक नदी है। दुर्भाग्य से, यह नदी प्रदूषण का शिकार हो रही है, जिससे न केवल नदी के स्वास्थ्य को खतरा है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर को भी खतरा है।

इस समस्या से निपटने के लिए, नोएडा क्षेत्र में हिंडन नदी पर वाईएसएस फाउंडेशन और वालंटियर्स 137 द्वारा नोएडा सेक्टर १४२ पुलिस स्टेशन के पीछे हिण्डन किनारे स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का लक्ष्य लोगों को नदी के महत्व और इसे स्वच्छ रखने की आवश्यकता के बारे में शिक्षित करना रहा।

महासचिव दुर्गा प्रसाद दुबे ने बताया की युवा शक्ति का उदेश्य लोगों को हिंडन नदी के महत्व और इसके प्रदूषण के खतरों के बारे में जागरूक करना, नदी को स्वच्छ रखने के लिए लोगों को प्रेरित करना और उन्हें कचरा नदी में फेंकने से रोकना, नदी के किनारे वृक्षारोपण और सफाई अभियान चलाना। स्थानीय समुदायों, स्कूलों, और गैर-सरकारी संगठनों को स्वच्छता अभियान में शामिल करना। नदी के प्रदूषण को कम करने के लिए स्थायी समाधान विकसित करना।

अभिष्ठ गुप्ता ने बताया की नोएडा क्षेत्र में हिंडन नदी पर स्वच्छता जागरूकता अभियान नदी को स्वच्छ और स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह अभियान न केवल नदी के लिए, बल्कि नोएडा के लोगों और पूरे क्षेत्र के लिए भी लाभकारी होगा।

युवा शक्ति अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने कहा की इस अभियान की सफलता के लिए समुदाय, सरकार और गैर-सरकारी संगठनों के बीच मजबूत भागीदारी आवश्यक है। सभी को मिलकर काम करना होगा और नदी को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। यह अभियान न केवल नोएडा क्षेत्र के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए एक प्रेरणा बन सकता है।

आज के कार्यक्रम में वालंटियर्स137 से उमेश, मोहित, संदीप, प्रमोद, हेमेंद्र, रवि, नीरज। वाईएसएस से सचिन गुप्ता, दुर्गा प्रसाद दुबे, रवि वर्मा, सुषमा निषाद, अजय चौहान, तेजस गुप्ता, विरेंद्र, अर्पित, अग्निहोत्री, दिव्यांश, निधी सिंह, वर्षा, रिया, साजिदा, शिवांगी, मुस्कान, निर्मला, जागृति, कोमल, सुरभि आदि सदस्य शामिल हुए।

तीन हजार ई-रिक्शा वाहनों का अब महाकाल मंदिर में दो शिफ्ट में होगा संचालन, लॉटरी से आवंटित होंगे रूट

पहले तीन महीने के लिए लॉटरी के माध्यम से रूट आवंटित होंगे। पहली शिफ्ट सुबह छह से दोपहर दो बजे तक दिन (D) और दूसरी दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक रात (N) लिखा जाएगा।

परिवहन विशेष न्यूज

उज्जैन। उज्जैन शहर में संचालित लगभग छह हजार ई-रिक्शा से शहर की सड़कों पर यातायात का दबाव अधिक होने से यातायात अव्यवस्थित रहता है। यातायात को सुव्यवस्थित करने के लिए कलेक्टर उज्जैन नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक उज्जैन प्रदीप शर्मा के मार्गदशन में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी उज्जैन एवं उप पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा ई-रिक्शा को शहर में दो शिफ्टों में चलाने की कार्य योजना बनाई है।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष मालवीय ने बताया कि कार्य योजना के अंतर्गत शहर को महाकाल जोन एवं महाकाल जोन से बाहर के अन्य मार्गों में विभाजित किया गया है। महाकाल जोन में लगभग तीन हजार ई-रिक्शा दो शिफ्टों में विभाजित करते हुए क्रमशः 1500 ई-रिक्शा प्रथम शिफ्ट सुबह छह बजे से दोपहर दो बजे तक तथा 1500 ई-रिक्शा द्वितीय शिफ्ट दोपहर दो बजे से 10 बजे रात तक चलेंगे। अन्य जोन में शेष लगभग तीन हजार ई-रिक्शा महाकाल जोन से बाहर शहर के अन्य निर्धारित मार्ग पर चलेंगे।

उक्त क्षेत्रों का विभाजन लॉटरी के माध्यम से समिति सदस्य क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी उज्जैन, अनुविभागीय अधिकारी उज्जैन शहर, उपायुक्त नगर पालिका निगम उज्जैन, उप पुलिस अधीक्षक यातायात एवं ई-रिक्शा यूनियन अथवा कोई पांच ई-रिक्शा संचालक की उपस्थिति में किया जाएगा। महाकाल जोन में प्रथम तीन महीने के लिए तीन हजार ई-रिक्शा को लॉटरी के आधार पर सूचीबद्ध किया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा अनुमति पत्र जारी किया जाएगा। जो तीन महीने के लिए वैध हागा। वैधता समाप्ति पश्चात उक्त ई-रिक्शा को महाकाल जोन से हटाकर महाकाल जोन के बाहर के अन्य मार्ग के लिए अनुमति जारी की जाएगी तथा जिन ई-रिक्शा को महाकाल जोन के बाहर संचालन की अनुमति थी, उन्हें महाकाल जोन अंतर्गत रोटेशन के माध्यम से तीन महीने के लिए महाकाल जोन के कुल छह मार्गों पर ई-रिक्शों का संचालन होगा।

महाकाल जोन के लिए स्टीकर एवं अनुमति पत्र भिन्न-भिन्न निर्धारित रंग के एवं अन्य निर्धारित मार्ग का स्टीकर एवं अनुमति पत्र सफेद रंग का रहेगा। दोनों शिफ्ट के स्टीकर पर प्रथम शिफ्ट के लिए समय सुबह छह बजे से दोपहर दो बजे तक दिन (D) और द्वितीय शिफ्ट के लिए दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक रात (N) लिखा जाएगा। लाटरी के माध्यम से मार्ग के आवंटन के पश्चात किस वाहन को कौन सा मार्ग आवंटित हुआ है। इसकी जानकारी ई-रिक्शा संचालक क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के कम्प्यूटर शाखा के हेल्प डेस्क से प्राप्त कर सकेंगे।

अनुमति पत्र प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेज के रूप में वाहन का फिटनेस, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस चालक का चरित्र प्रमाण पत्र एवं पंजीयन प्रमाण पत्र की छाया प्रति प्राप्त होने पर उस ई-रिक्शा के संचालन के लिए मार्ग आवंटन अनुमति जारी की जाएगी। मार्ग आवंटन के बगैर शहर अंतर्गत ई-रिक्शा संचालन की दशा में वाहन चालक/वाहन स्वामी केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम 1988, केन्द्रीय मोटरयान नियम 1989, मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 एवं ऑटो रिक्शा विनियमन योजना 2021 एवं केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा जारी परिपत्र अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

इनसाइड

अपनाएं ये बॉडी पॉजिटिविटी टिप्स, खुद से हो जाएगा प्यार

18-30 की उम्र के बीच की 70% महिलाएं अपने शरीर को नापसंद करती हैं और 45% पुरुष भी अपने शरीर से असंतुष्ट हैं. ऐसे में बॉडी पॉजिटिविटी को बढ़ावा देने के लिए सेल्फ लव बहुत जरूरी है.

शारीरिक बनावट के अलावा अन्य चीजों के बारे में सोचने में अधिक समय बिताएं.

क्या आपने हाल ही में रिलीज़ हुआ 'डबल एक्सेल' का ट्रेलर देखा है? अगर नहीं तो आपको बता दें कि हाल ही में बॉलीवुड मूवी डबल XL का ट्रेलर रिलीज हुआ है. इसमें सोनाक्षी सिन्हा और हुमा कुरैशी बॉडी शेमिंग करने वालों को करारा जवाब देती नजर आ रही हैं. इसके ट्रेलर में भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन भी दिखाई दे रहे हैं. फिल्म में एक ऐसे मुद्दे को उठाया गया है जिससे कई लोग वाबस्ता हैं. हालांकि, आज के दौर में बहुत लोगों ने बॉडी पॉजिटिविटी की ओर कदम बढ़ाया है लेकिन आज भी कई लोग, खासकर महिलाएं अपनी बनावट और बॉडी के कारण परेशान रहती हैं. किसी को दुबला तो किसी को मोटा कह कर चिढ़ाया जाता है, जो कि गलत है. जरूरी नहीं कि हर किसी के लिए हेल्दी बॉडी होने का मतलब भी एक जैसा हो.

रोग मुक्त होने के लिए एक ही तरह की बॉडी आइडियल नहीं होती. हो सकता है एक इंसान की नजर में जो शख्स अस्वस्थ हो, वो असल में हेल्दी ही हो. सबका आकार अलग है और इसमें कुछ गलत नहीं है. आपको बता दें कि वेलबींगट्रस्ट डॉट ओआरजी के अनुसार 18-30 की उम्र के बीच की 70% महिलाएं अपने शरीर को नापसंद करती हैं और 45% पुरुष भी अपने शरीर से असंतुष्ट हैं. अगर आप भी अपने शरीर को लेकर सहज महसूस नहीं करती हैं तो आज हम आपको कुछ बॉडी पॉजिटिविटी टिप्स बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप भी अपने शरीर को आपका हर रोज साथ देने के लिए धन्यवाद कहने लगेंगी, जो कि जरूरी भी है.

अपनाएं ये बॉडी पॉजिटिविटी टिप्स

पॉजिटिव अफर्मेशन्स बोलें

बॉडी पॉजिटिविटी को बढ़ावा देने के लिए सेल्फ लव बहुत जरूरी है. इसका अभ्यास करने के सबसे बुनियादी और प्रभावी तरीकों में से एक यह है कि हम पॉजिटिव अफर्मेशन्स को ज़ोर से बोलें, खासकर जब हम अपने शरीर के बारे में अच्छा महसूस न कर पा रही हों. खुद से कहें- 'मैं काफी हूं', 'मैं सुंदर हूं', 'मैं किसी से कम नहीं हूं', 'मैं हर हाल में और हर तरह से खूबसूरत हूं'.

उन चीजों पर ध्यान दें जो आपको अपने बारे में हैं पसंद

हर बार जब आपके दिमाग में आपके शरीर के बारे में कोई नकारात्मक विचार आता है तो उसका मुकाबला कुछ सकारात्मक सोचकर करें. उन चीजों की लिस्ट बनाने की कोशिश करें जो आपको अपने शरीर के बारे में पसंद हैं.

दूसरों से अपनी तुलना करना बंद करें

लोगों की शेप अलग-अलग होती है. एक इंसान एक तरह से खूबसूरत होता है तो दूसरा इंसान किसी और तरह से अच्छा लग सकता है. दूसरों से अपनी तुलना करने से आपको ऐसा महसूस हो सकता है कि आप वैसे नहीं दिखते जैसे आपको दिखना चाहिए लेकिन आपको किसी और की तरह नहीं दिखना है क्योंकि सब एक जैसे दिखाई देंगे तो यह बहुत बोरिंग लग सकता है.

नेगेटिव सेल्फ टॉक से बचें

अपने शरीर के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा आप किसी मित्र के साथ करते हैं. अगर आप अपने शरीर के बारे में जो कुछ भी कहते हैं वैसा कुछ आप अपने किसी दोस्त के बारे में या उसके शरीर के बारे में नहीं कह सकते क्योंकि ये गलत होगा तो ऐसा अपने साथ भी मत कीजिए. नेगेटिव सेल्फ टॉक ही हमें शरीर के लिए नकारात्मक सोचने पर मजबूर करती है.

लगा चुकी हैं जिंदगी का अर्धशतक तो ऐसे जिएं लाइफ...

तनाव के कारण कई तरह की शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं. बात अगर 50 से अधिक उम्र की महिलाओं की हो तो उनमें क्रोनिक स्ट्रेस के प्रभाव जटिल होते हैं. इसलिए ऐसे में बेहतर रखरखाव और एक स्वस्थ जीवन शैली की जरूरत होती है. इसके लिए खुद को तनाव से दूर रखना जरूरी है.

भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव किसी को भी, किसी भी कारण से हो सकता है. कामकाज, घर-परिवार की जिम्मेदारियां और निजी समस्याओं समेत कई वजहें टेंशन का कारण बन सकती हैं. स्ट्रेस लेने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है लेकिन सिर्फ ये कह देने से कि तनाव लेना अच्छी बात नहीं है, इससे समस्या का हल नहीं निकलता. बात अगर महिलाओं की करें तो उम्र के हर पड़ाव पर तरह-तरह की दिक्कतों को झेलने की वजह से तनाव महसूस करना आम है लेकिन ये जरूरी नहीं कि स्ट्रेस को खुद पर हावी होने दिया जाए. इसलिए डी-स्ट्रेस (Destress) होना बहुत जरूरी है.

अगर आपकी उम्र 50 पार हो चुकी है तो आज वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर हम आपको डीस्ट्रेसिंग के कुछ आसान तरीके बताएंगे, जिन्हें अपना कर आप अच्छा महसूस कर सकती हैं और बढ़ती उम्र में चिंतामुक्त हो कर खुल कर जी सकती हैं. दरअसल, वेबएमडी के मुताबिक तनाव के कारण कई तरह की शारीरिक समस्याएं होती हैं, जैसे सिरदर्द, पेट खराब होना, उच्च रक्तचाप, सीने में दर्द और नींद की समस्या आदि. वहीं 50 से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए, क्रोनिक स्ट्रेस के प्रभाव जटिल होते हैं. इसलिए ऐसे में बेहतर रखरखाव और एक स्वस्थ जीवन शैली की जरूरत है. इसके लिए खुद को तनाव से दूर रखना बहुत जरूरी है.

महिलाएं ऐसे कम करें तनाव

नियमित रूप से व्यायाम करें व्यायाम तनाव को कम करता है, मूड में सुधार करता है. इससे नींद भी अच्छे से आती है.

एक सपोर्ट सिस्टम बनाएं

कुछ लोगों को धार्मिक समुदाय का हिस्सा बनने से तनाव कम करने में मदद मिलती है, किसी का स्विमिंग क्लब या अन्य किसी ग्रुप का हिस्सा बनने से स्ट्रेस कम होता है. ऐसे सर्कल्स से जुड़ें.

सकारात्मक दृष्टिकोण रखें

आभार सूची बनाएं. नकारात्मक पर ध्यान न दें. स्वीकार करें कि ऐसी चीजें भी हैं जिन्हें आप नियंत्रित नहीं कर सकते और इसमें कुछ गलत नहीं है.

आक्रामक न हों, आराम करें

गुस्सा होने पर अपने विचारों को ढंग से व्यक्त करने की कोशिश करें. आराम करने के तरीके खोजें. ध्यान लगाना या मेडिटेशन करना सीखें. संगीत सुनें.

नई रुचियां विकसित करें

रोमांच की भावना रखने से आपको तनाव कम करने में मदद मिल सकती है. एक शौक खोजें. रचनात्मक बनने की कोशिश करें.

पर्याप्त नींद लें

जब आप तनाव में होते हैं तो आपके शरीर को हील होने के लिए समय चाहिए होता है. इसलिए भरपूर नींद लें.

स्वस्थ-संतुलित भोजन करें

तनाव के प्रभावों से लड़ने के लिए आपके शरीर को अच्छे पोषण की आवश्यकता होती है. इसके अलावा, अपने तनाव को कम करने के लिए शराब पर निर्भर न रहें.

आप इन तरीकों से खुद को तनावमुक्त कर सकती हैं और खुश रह सकती हैं. आप डॉक्टर से भी सलाह ले सकती हैं.

महिलाओं के लिए नौकरी की तुलना में सेल्फ एम्प्लॉई होना ज्यादा फायदेमंद! स्टडी में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

शोधों में पाया गया कि जो महिलाएं सैलरी लेती हैं या किसी और के लिए काम करती हैं, उनमें हृदय रोग, हार्ट स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, कोरोनरी हार्ट डिजीज या हार्ट फेलियर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिलीं, जबकि सेल्फ एम्प्लॉई महिलाएं अधिक फिट और हेल्दी पाई गईं.

आमतौर पर यह माना जाता है कि नौकरी करना बिजनेस करने की तुलना में कम स्ट्रेसफुल होता है. यही वजह है कि महिलाएं नौकरी करना अधिक सेफ समझती हैं, लेकिन नए शोध में यह पता चला है कि अगर आप सेल्फ एम्प्लॉई हैं तो यह आपकी सेहत के लिए अधिक फायदेमंद साबित हो सकता है. नए शोध के मुताबिक, खासतौर पर अगर महिलाएं सेल्फ एम्प्लॉई यानी स्व-नियोजित हैं तो उनमें हार्ट से जुड़ी बीमारियां, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और मोटापा होने की संभावना कम पाया गया है.

यही नहीं, जो महिलाएं मजदूरी कर रही हैं या नौकरी कर रही हैं, उनकी तुलना में सेल्फ एम्प्लॉई महिलाओं का शारीरिक गतिविधि अधिक रहता है, जिस वजह से उनकी सेहत भी बेहतर रहती है. हेल्थ हार्वर्ड में छपे आलेख के मुताबिक, मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एमिली लाउ का इस विषय पर कहना है कि अध्ययन से पता चलता है कि दरअसल, महिलाओं को अपने रोजगार का प्रभार लेने और उनके काम करने के तरीके, उनकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है.

क्या कहना है शोध का

2016 और 2018 के बीच किए गए इस शोध में करीब 4,624 महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया और इनके आंकड़ों का विश्लेषण किया गया. इसमें उन महिलाओं को शामिल किया गया जिसमें वेतनभोगी कर्मचारी, स्व-नियोजित या मजदूरी के लिए काम करने वाली थीं. ये सभी 50 वर्ष से अधिक आयु की थीं और लगभग 16% प्रतिभागी सेल्फ इम्प्लॉई थीं जबकि बाकी सैलरी पानी वाली थीं. इनमें पाया गया कि जो महिलाएं सैलरी लेती हैं या किसी और के लिए काम करती हैं, उनमें हृदय रोग, हार्ट स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, कोरोनरी हार्ट डिजीज या हार्ट फेलियर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिली.

क्या पाया गया शोध में

अध्ययन में पाया गया कि स्वरोजगार करने वाली महिलाओं में मोटापे की संभावना 34% कम पाई गई, उच्च रक्तचाप की संभावना 43% कम थी और वेतन या मजदूरी के लिए काम करने वालों की तुलना में मधुमेह की संभावना 30% कम दिखी. इस बीच, स्व-नियोजित महिलाओं का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) कम था और वे अधिक शारीरिक रूप से सक्रिय थीं. जबकि 80% महिलाओं ने कहा कि वे अन्य प्रतिभागियों के 72% की तुलना में सप्ताह में कम से कम दो बार व्यायाम करती हैं. ये सारी चीजें हार्ट के हेल्थ को काफी हद तक प्रभावित करते हैं.

शरीर की प्रकृति के हिसाब से सेवन करें मिलेट्स, वात, पित और कफ दोष में कौने-से Millets खाना सही होता है?

मिलेट्स का सेवन आप सभी करते है, लेकिन क्या आप जानते है? इसे शरीर की प्रकृति के अनुसार सेवन करना जरुरी है। यहां इस लेख में हम बताएंगे कि वात,पित्त और कफ दोष में कौन-कौन से मिलेट खाना सही होता है। वैसे तो मिलेट्स सेहत के लिए बढ़िया होते है लेकिन शरीर की प्रकृति के अनुसार ही इसका सेवन करना चाहिए।

स्वस्थ रहने के लिए आजकल डॉक्टर और हेल्थ एक्सपर्ट लोगों को मिलेट्स खाने की सलाह देते हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार भी हेल्दी मिलेट्स की दुनियाभर में प्रचार कर रही है। इसी वजह से लोग मिलेट्स को लेकर जागरुक हो रहे हैं और डाइट में मिलेट्स जरुर शामिल करें। इसके सेवन से शरीर को विटामिन, खनिज और फाइबर अच्छी मात्रा मे मिलते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, शरीर की प्रकृति के अनुसार मिलेट्स यानी मोटे अनाज का सेवन करें।

वात प्रकृति में कौन-सा मिलेट खाएं?

डॉक्टर के मुताबिक, जिन लोगों के शरीर में वात प्रकृति होती है या जिन्हें ज्यादा ठंड लगती है उन सभी लोगों को अपनी डाइट में बाजरा शामिल करना चाहिए। क्योंकि बाजरा गर्म तासीर का मिलेट है, जिससे आपके शरीर में वात दोष कंट्रोल हो सकता है। बाजरा ग्लूटन फ्री होता है और वेटलॉस में काफी फायदेमंद होता है। इसके अलावा डायबिटीज भी कम हो सकती है।

पित्त प्रकृति में कौन-सा मिलेट खाएं?

जिन लोगो के शरीर में पित्त प्रकृति होती है या जिनके शरीर में बेहद गर्मी होती है उन्हें ज्वार का सेवन करना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि ज्वार की तासीर काफी ठंडी होती है। ज्वार के सेवन से शरीर पित्त को शांत करता है और वात को बढ़ाता है। वहीं इसके सेवन से कई पोषक तत्व हैं, जैसे फॉस्फोरस, आयरन और पोटेशियम आदि। इसमें विटामिन बी-कॉम्पलेक्स और प्रोटीन भी पाया जाता है।

कफ प्रकृति में कौन-सा मिलेट खाना सबसे बेहतर हैं

रागी का सेवन तीनों यानी कफ, वात और पित्त प्रकृति के लोग कर सकते हैं। क्योंकि इसकी तासीर न ठंड़ी होती है और न ही गर्म होती है। रागी का सेवन करने से कई फायदे होते है। इन मिलेट्स को आप अपनी डाइट में जरुर शामिल करें।

संस्कारशाला: मानव शरीर के लिए शंख का महत्व: एक वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

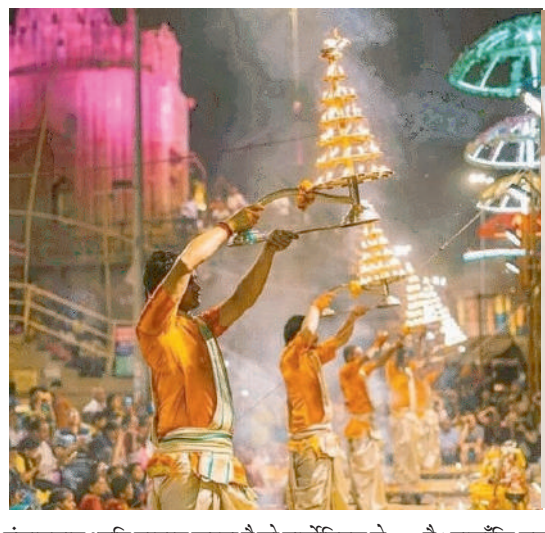

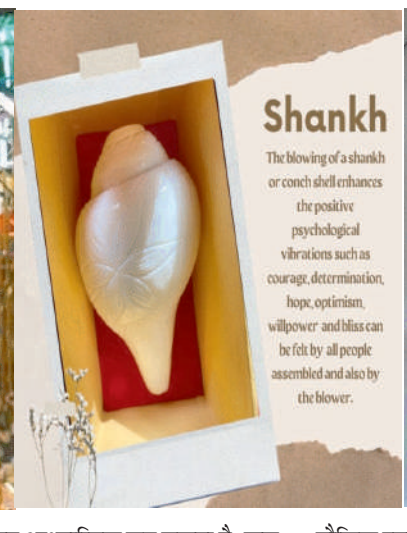

शंख, पारंपरिक प्रथाओं और अनुष्ठानों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, खासकर भारतीय संस्कृति में। इसके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व के अलावा, वैज्ञानिक समझ से समर्थित माना जाता है कि शंख के मानव शरीर के लिए कई फायदे हैं। यहां, हम शंख से जुड़े संभावित स्वास्थ्य लाभों और उनके पीछे के तंत्र का पता लगाते हैं।

1. श्वसन स्वास्थ्य

शंख बजाने के लिए गहरी सांस लेने और नियंत्रित साँस छोड़ने की आवश्यकता होती है, जो एक प्रभावी श्वसन व्यायाम के रूप में काम कर सकता है। यह क्रिया फेफड़ों की क्षमता में सुधार करने, डायाफ्राम को मजबूत करने और समग्र श्वसन क्रिया को बढ़ाने में मदद करती है। नियमित अभ्यास अस्थमा या ब्रोंकाइटिस जैसी श्वसन स्थितियों वाले व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि यह बेहतर ऑक्सीजनेशन और फेफड़ों के कार्य को बढ़ावा देता है।

2. मांसपेशियों की ताकत

शंख बजाने की क्रिया में पेट, छाती और चेहरे सहित कई मांसपेशी समूह शामिल होते हैं। इससे मांसपेशियों की ताकत और टोन में वृद्धि हो सकती है। विशेष रूप से, यह इंटरकोस्टल मांसपेशियों (पसलियों के बीच स्थित), डायाफ्राम और चेहरे की मांसपेशियों का काम करता है, जो समग्र शारीरिक फिटनेस में योगदान कर सकता है।

3. श्रवण और कंपन थेरेपी

जब फूंका जाता है, तो शंख एक विशिष्ट, गुंजायमान ध्वनि उत्पन्न करता है जो हार्मोनिक्स से भरपूर होती है। ध्वनि चिकित्सा के सिद्धांतों के समान, यह ध्वनि तंत्रिका तंत्र पर शांत प्रभाव डाल सकती है। माना जाता है कि शंख से उत्पन्न कंपन मस्तिष्क पर सुखद प्रभाव डालते हैं, विश्राम को बढ़ावा देते हैं और तनाव को कम करते हैं। ये श्रवण उत्तेजनाएं वेगस तंत्रिका को भी उत्तेजित कर सकती हैं, जो पैरासिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे हृदय गति और रक्तचाप को कम करने में मदद मिलती है।

4. शोधन गुण

माना जाता है कि शंख बजाने से उत्पन्न ध्वनि तरंगों में वातावरण को शुद्ध करने की क्षमता होती है। हालाँकि यह आध्यात्मिक लग सकता है, कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ ध्वनि आवृत्तियाँ आसपास के वातावरण को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे हवा में माइक्रोबियल भार कम हो सकता है। यह उस पारंपरिक मान्यता के अनुरूप है कि शंख की ध्वनि वातावरण को नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त कर सकती है।

5. मौखिक और दंत स्वास्थ्य

शंख बजाने से महत्वपूर्ण मौखिक गतिविधि शामिल होती है, जो मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ा सकती है। मुंह और चेहरे की मांसपेशियों का बार-बार व्यायाम करने से इन क्षेत्रों में रक्त परिसंचरण में सुधार हो सकता है, जिससे संभावित रूप से मौखिक स्वच्छता को लाभ हो सकता है। यह लार के स्राव को बढ़ावा देकर मसूड़ों और दांतों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी मदद कर सकता है, जिसमें प्राकृतिक जीवाणुरोधी गुण होते हैं।

6. मानसिक स्वास्थ्य लाभ

शंख बजाने की प्रथा को अक्सर ध्यान और प्रार्थना अनुष्ठानों में शामिल किया जाता है। इस गतिविधि की लयबद्ध और मनमौजी प्रकृति ध्यान की स्थिति पैदा कर सकती है, चिंता को कम कर सकती है और मानसिक स्पष्टता को बढ़ा सकती है। गहरी साँस लेने और ध्वनि प्रतिध्वनि का संयोजन कल्याण और मानसिक शांति की भावना को बढ़ावा दे सकता है।

जबकि शंख का उपयोग सांस्कृतिक परंपराओं में गहराई से निहित है, इसके लाभ आध्यात्मिक क्षेत्र से परे शारीरिक स्वास्थ्य और कल्याण तक फैले हुए हैं। शंख बजाने से श्वसन क्रिया में सुधार हो सकता है, मांसपेशियाँ मजबूत हो सकती हैं, कंपन चिकित्सा प्रदान हो सकती है और मौखिक स्वास्थ्य में योगदान हो सकता है। इसके अलावा, यह तनाव को कम करके और विश्राम को बढ़ावा देकर मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। शंख बजाने की प्रथा को दैनिक दिनचर्या में शामिल करना समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ाने का एक सरल लेकिन प्रभावी तरीका हो सकता है।

सिसोदिया, जैन, मालीवाल को छोड बिभव कुमार के लिए सडकों पर क्यों उतरे केजरीवाल ?

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। आम आदमी पार्टी की सांसद, और पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल से मारपीट ,बदसलूकी मामले को लेकर राजधानी दिल्ली में जबरदस्त सियासत चल रही है ।केजरीवाल के आरोपी निजी सचिव बिभव कुमार को देर रात कोर्ट ने 5 दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया है। इस बात से बौखलाए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने तमाम मंत्री, संतरी, पार्षद , समेत आप कार्यकर्ताओ को सडक पर उतार दिया। इस बात से हैरान लोगों का कहना है कि पार्टी के खासम-खास व डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसौदिया,सत्येंद्र जैन और अब स्वाति मालीवाल की अस्मिता से खिलवाड के 7 दिन तक चुप्पी साधे बैठे रहे केजरीवाल आखिर निजी सहायक की 5 दिन की पुलिस रिमांड से इतना बौखलाए गए कि वह रविवार को आम आदमी पार्टी की पूरी फौज को बीजेपी की खिलाफत में सडकों पर उतार दिया। केजरीवाल ने भाजपा के आईटीओ स्थित कार्यालय पर कूच कर प्रदर्शन तक कर डाला। सडक पर उतरने से पहले केजरीवाल ने आप के दफ्तर में पार्टी नेताओ, कार्यकर्ताओ को संबोधित कर पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला। संबोधन के वक्त स्टेज पर बैठे नेताओ में

संजय सिंह, आतिशी सिंह, राघव चड्ढा, गहलौत, सौरभ भारद्वाज समेत अन्य बडे नेता मौजूद थे। केजरीवाल ने कार्यकर्ताओ को अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमारे पार्टी के खिलाफ ऑपरेशन झाड़ू चालू किया हुआ है। इसके तहत उनका इरादा बडे नेताओ में राघव चड्ढा, आतीशी सिंह, गहलौत, को भी जेल में डालने की प्लानिंग है। हालांकि पहले तो जेल में मनीष सिसौदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह , अरविंद केजरीवाल, और अब निजी सहायक बिभव कुमार को भी जेल में डाल दिया है ।सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि लोकसभा चुनाव बाद आम आदमी पार्टी के बैंक खाते सीज करना शामिल है। केजरीवाल ने कहा कि इसके बाद आम आदमी पार्टी के दफ्तर को खाली कराने की साजिश है, जिससे हम सडक पर आ जाए। पार्टी को कुचलने की कोशिश की जा रही है। अपने संबोधन के बाद सीएम केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी के तमाम नेता कार्यकर्ताओ ने जो हाथों में बैनर पोस्टर उठाए थे, ने बीजेपी दफ्तर की ओर कूच कर दिया। लेकिन पुलिस द्वारा धारा 144 के अलावा कई लेयर की सुरक्षा व्यवस्था ,बैरिकेड्स, के साथ पैरा मिलिट्री फोर्स, सेंट्रल फोर्स, दिल्ली पुलिस के हजारों जवान का जबरदस्त पहरा बिठा रखा था। इसके अलावा आईटीओ मैट्रो स्टेशन की एंट्री, आउट गेट तक को बंद कर दिए गए। प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस बीच मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास पर स्पेशल पुलिस टीम विभव कुमार को लेकर पहुंची। आवास से सीसीटीवी डीवीआर समेत कंप्यूटर, लैपटाप तक ले गए। आवास पर पुलिस की एंट्री की सूचना मिलते ही केजरीवाल धरना-प्रदर्शन बीच में छोड कर घर की ओर दौड गए। उल्लेखनीय है कि बिभव कुमार की 5 दिन की पुलिस रिमांड कोर्ट से मिलने के बाद रविवार को पुलिस ने केजरीवाल के आवास पर धावा बोल दिया।

आग को दावत देती बिजली तारों के जंजाल से दिल्ली के सदर बाजार में दहशत का माहौल:पम्मा

परिवहन विशेष। एसडी सेठी। दिल्ली का सदर बाजार आग की लपेट में कभी भी आ सकता है। इस वक्त लगातार बढती गर्मी के उबाल से आग की बढती घटनाओं से यहां के व्यापारियों में अपनी जान माल को लेकर डर और बेचैनी की हालात हो गए हैं। इस बावत फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा व अध्यक्ष राकेश यादव ने बताया कि दिल्ली में आए दिन मार्केट फैक्ट्रीयों में बिजली की तारों में शार्ट सर्किट से आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। इससे पुरानी दिल्ली के सदर बाजार, की मटके वाली गली,ग्रीन मार्केट, कुतुब रोड,क्राकरी मार्केट, पान मंडी,स्वदेशी मार्केट समेत अन्य मार्केट में इसी तरह से बिजली की तारों का जंजाल फैला हुआ है। यहां कभी भी आग की बडी घटना हो सकती है। इससे व्यापारियों में जान और माल को लेकर दहशत का माहौल पैदा हो गया है। फेडरेशन के मुताबिक सदर बाजार में जगह-जगह गलियों में बिजली की तारों का जाल फैला हुआ है ।इससे लगातार शार्ट सर्किट होते रहते हैं। वहीं बाजार की छोटी-छोटी गलियों होने के कारण यहां पर आग काबू करने के लिए फायर टेंडर तक आना मुश्किल है ।फेडरेशन के मुताबिक इन फैले जाल नुमा तारों के। स्थाई निदान के लिए संबंधित बिजली विभाग को भी चेता चुके हैं ।बावजूद इसके इस ओर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है। अब हालत ये है कि टेलीकॉम और बिजली की तारों,का जाल बुन गया है। फेडरेशन ने बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों से हादसे के मद्देनजर तत्काल बिजली व टेलीकॉम की तारों को सिस्टम से करने की सरकार से मांग की है।

कांग्रेस-आप के गठबंधन से किस पार्टी को नुकसान और किसको फायदा ? लोकसभा के छह माह बाद हैं दिल्ली में विधानसभा चुनाव

राजधानी में लोकसभा की सात सीटों के लिए कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन भले कर रखा हो लेकिन भविष्य में यह उसके लिए फायदे का कम और घाटे का सौदा ही ज्यादा होने वाला है। कारण अभी कांग्रेस जिन चार लोकसभा क्षेत्रों के 40 विधानसभा क्षेत्रों में आप उम्मीदवार के लिए वोट मांग रही है महज छह-सात माह बाद उसी के खिलाफ और अपने लिए वोट मांगने होंगे।

नई दिल्ली। राजधानी में लोकसभा की सात सीटों के लिए कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन भले कर रखा हो, लेकिन भविष्य में यह उसके लिए फायदे का कम और घाटे का सौदा ही ज्यादा होने वाला है। कारण, अभी कांग्रेस जिन चार लोकसभा क्षेत्रों के 40 विधानसभा क्षेत्रों में आप उम्मीदवार के लिए वोट मांग रही है, महज छह सात माह बाद उसी के खिलाफ और अपने लिए वोट मांगने होंगे। यह इतना आसान न होगा।

इसीलिए इस गठबंधन को लेकर कांग्रेस के भीतर अभी भी असंतोष और आशंकाओं का माहौल बना हुआ है। कांग्रेस और आप कार्यकर्ता अब तक परस्पर प्रतिद्वंद्वी रहे हैं और उनके बीच एकता का अभाव भी साफ दिखाई दे रहा है।

'घाटे का सौदा' है गठबंधन

कांग्रेस के अनेकों कार्यकर्ता इस गठबंधन को लेकर असमंजस में हैं और इसे ''घाटे का सौदा'' मान रहे हैं। उनका कहना है कि एक लोकसभा क्षेत्र में 10 विधानसभा क्षेत्र सम्मिलित हैं। मतलब, कांग्रेस ने 40 विधानसभा क्षेत्रों में अपनी जमीन छोड़ दी है। विधानसभा चुनाव में इस जमीन को वापस पाना कठिन हो सकता है। वहीं, आप के कार्यकर्ता भी कांग्रेस प्रत्याशियों को समर्थन देने में जरा हिचकिचा रहे हैं।

एक-दूसरे के कार्यकर्ता...

एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने दबी जुबान में स्वीकारा कि आप समर्थकों को कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने के लिए समझाना कठिन हो रहा है। इस स्थिति से स्पष्ट है कि गठबंधन के बावजूद दोनों दलों के कार्यकर्ता एक-दूसरे के समर्थन में पूरी तरह से तैयार नहीं हैं।

विश्लेषकों का कहना है कि अगर कार्यकर्ताओं के बीच यह दूरी बनी रही, तो इसका सीधा असर कांग्रेस के वोट बैंक पर पड़ सकता है। ऐसे में गठबंधन का लाभ उठाने की बजाय, कांग्रेस को नुकसान झेलना पड़ सकता है।

क्या है कांग्रेस के लिए चुनौती

आगामी चुनावों में इस गठबंधन का परिणाम क्या होगा, यह देखना भी दिलचस्प होगा। लेकिन फिलहाल, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच असमंजस और आपसी तालमेल की कमी को देखते हुए, पार्टी के लिए यह चुनौतीपूर्ण समय साबित हो सकता है।

हालांकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव इस तर्क से सहमत नहीं है। उनका कहना है कि इन 40 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस कार्यकर्ता घर घर जाकर पार्टी का घोषणा पत्र भी बांट रहे हैं। मतलब अपनी जमीन नहीं छोड़ रहे, बल्कि उसे और मजबूत कर रहे हैं।

मैट्रो में युवती का अश्लील कैबरे डांस भडके यात्री

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। दिल्ली मैट्रो में सिक्योरिटी के सख्त पहरे के बडे-बडे दावे करने वाले अधिकारियों की नाक तले एक बार फिर युवती ने अश्लील कैबरे डांस कर तमाम सिक्योरिटी के दावों को ठेंगा दिखा दिया है। इससे साबित होता है कि मैट्रो में रील बनाने का सिलसिला थमता दिखाई नहीं दे रहा है। उल्टे बिकनी गर्ल, खुल्लर खुल्ला किसिंग सीन से लेकर मस्टरबेसन जैसी हरकतों से मैट्रो सवार आम यात्रियों को मुंह ढकना पड रहा है। मैट्रो सिक्योरिटी को ठेंगा दिखाती एक ऐसी ही युवती का विडियो वायरल हो रहा है। विडियो में युवती मैट्रो के सपोर्टिंग पिलर को पकडकर अध नंगी ड्रेस में अश्लील पोल डांस बडी ही बेशर्मी से कर रही है। इस बार डांस कर रही बेखौफ युवती ने अपने सोशल मिडिया प्लेटफार्म से इस विडियो को बाकायदा शेयर किया है ।डांस कर रही युवती का नाम मनीषा बताया जा रहा है ।जिसके इस्टाग्राम और यूट्यूब पर लाखों फॉलोअर हैं ।हालांकि बेखौफ युवती ने दिल्ली मैट्रो में उक्त युवती ने एक के बाद एक कई अश्लील डांस विडियो शेयर किए है। जो तमाम यात्रियों के बीच फिल्माए गए हैं ।विडियो को लेकर लोगों ने मैट्रो से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

संसद भवन की सुरक्षा अब सीआईएसएफ के हवाले

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। पिछले 10 साल से संसद भवन की सुरक्षा में तैनात रहे सीआरपीएफ के जवान और दिल्ली पुलिस के करीब 150 जवानों को सोमवार से संसद की सुरक्षा से हटा लिया गया है।अब सोमवार से इनकी जगह (सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटीज फोर्स) सीआईएसएफ के 3316 जवानों के हवाले नए पार्लियामेंट हाउस की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंप दी है। दरअसल 13,दिसंबर, 2023 में संसद भवन की दर्शक दीर्घा से दो शख्स कूद गए थे। तब इस घटना को गृह मंत्रालय ने इसे संसद की सुरक्षा में बडी चूक माना था। मंत्रालय ने सुरक्षा चूक को लेकर एक कमेटी का गठन किया था। कमेटी ने गृह मंत्रालय को अपनी पेश रिपोर्ट में पुराने सुरक्षा कवच में तब्दील करने की सिफारिश की थी। हालांकि पिछले 10 साल से संसद भवन की सुरक्षा में तैनात(सीआरपीएफ) के सुरक्षा कवच में कोई कमी तो नहीं निकाली। अलबत्ता कमेटी ने सीआरपीएफ की जगह (सीआईएसएफ) के जवानों को तैनात करने की सिफारिश की थी। इसी सिफारिश के मद्देनजर ही शुक्रवार को सीआरपीएफ के1400 जवानों को भी पुराने संसद भवन से भी सुरक्षा कर्मियों को हटा लिया गया है। वहीं सोमवार 20 मई से (सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स) (सीआईएसएफ) के 3316 जवानों ने संसद भवन की नई इमारत की जिम्मेदारी संभाल ली है। (सीआईएसएफ) के इन 3316 जवानों को पिछले कई दिनों से एनएसजी कमांडो द्वारा सघन ट्रेनिंग दी जा रही थी। ट्रेनिग के बाद ही आज सोमवार 20 मई को तमाम 3316 (सीआईएसएफ) जवानों के हवाले संसद भवन की सुरक्षा का जिम्मा सौंप दिया है। वहीं दिल्ली पुलिस के 150 सुरक्षा कर्मियों को भी हटा दिया है।

अब संसद के नए सत्र से नई सिक्योरिटी की तैनाती से संसद भवन की रंगत बदली-बदली नजर आएगी। उल्लेखनीय है कि देश में बेहद महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों,इंडस्ट्रियल समेत मैट्रो रेल कॉर्पोरेशन की पूरी सिक्योरिटीज का जिम्मा सीआईएसएफ जवानों के हवाले है।

चुनाव के बीच बढ़ी आम आदमी पार्टी की मुश्किलें, ईडी ने लगाए अवैध तरीके से विदेशी चंदा लेने के आरोप; हो सकती है सीबीआई जांच

परिवहन विशेष न्यूज

ईडी ने हाल ही में गृह मंत्रालय के साथ इस मामले में कुछ ताजा इनपुट साझा किए जिसमें आप को करीब 7 .08 करोड़ रुपये का विदेशी दान मिलने की बात कही गई। पत्र में कुछ अन्य जानकारी के अलावा विदेशी दानदाताओं की पहचान और हेराफेरी की बात भी बताई गई। अधिकारियों ने बताया कि मामले में सीबीआई जांच के भी आदेश दिए जा सकते हैं।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि दिल्ली और पंजाब में शासन करने वाली आम आदमी पार्टी को विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) का उल्लंघन कर सात करोड़ रुपये से अधिक का विदेशी धन मिला है।

आप के पंजाब के पूर्व विधायक सुखपाल सिंह खैरा समेत अन्य के खिलाफ ड्रग्स से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के दौरान जांच एजेंसी को कुछ संदिग्ध दस्तावेज और ईमेल बरामद हुए थे। जांच 2021 में शुरू की गई थी और खैरा को उसी साल ईडी ने गिरफ्तार भी कर लिया था। वह अब कांग्रेस पार्टी के साथ हैं।

ईडी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखी चिट्ठी

सूत्रों मुताबिक ईडी ने पिछले साल अगस्त में केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक विस्तृत पत्र भेजा था, जिसमें आप द्वारा उल्लंघनों को रेखांकित किया गया था और इन घटनाओं को विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के उल्लंघन के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

बताया जा रहा है कि ईडी ने हाल ही में गृह मंत्रालय के साथ इस मामले में कुछ ताजा इनपुट साझा किए जिसमें आप को करीब 7.08 करोड़ रुपये का विदेशी दान मिलने की बात कही गई। पत्र में कुछ अन्य जानकारी के अलावा विदेशी दानदाताओं की पहचान और हेराफेरी की बात भी बताई गई।

एपसीआरए नियमों का किया गया उल्लंघन

जांच एजेंसी ने गृह मंत्रालय को दान दाताओं के नाम, उनकी राष्ट्रीयता, पासपोर्ट नंबर, दान की गई राशि, दान का तरीका और प्राप्तकर्ता के बैंक खाता नंबर, बिलिंग नाम, पता, फोन नंबर, ईमेल, समय और तारीख के बारे में भी सूचित किया है।

सूत्रों के मुताबिक दान और भुगतान गेटवे का इस्तेमाल कर किया गया। इस बारे में भी साक्ष्यों के साथ पत्र में उल्लेख किया गया है। जांच एजेंसी ने मंत्रालय को बताया कि 2015 और 2016 के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में अपने विदेशी विंग स्वयंसेवकों के माध्यम से आप द्वारा आयोजित कुछ धन उगाही कार्यक्रम एफसीआरए के उल्लंघन में किए गए थे।

सीबीआई को सौंपी जा सकती है मामले की जांच

ईडी ने गृह मंत्रालय को यह भी बताया कि पार्टी को मिलने वाले विदेशी चंदे को छिपाने के लिए कनाडा स्थित कुछ लोगों के नाम और उनकी राष्ट्रीयता को पार्टी के वित्तीय रिकार्ड में छिपा दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि एफसीआरए उल्लंघन के मामलों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जाती है। इसलिए ईडी ने मंत्रालय को पत्र लिख इसकी जांच कराने की मांग की है।

'2 जून को केजरीवाल के सरेंडर करते ही कस्टडी की अवधि बढ़े', कोर्ट से ईडी ने की मांग

ईडी ने अदालत को बताया कि केजरीवाल और सह-आरोपित भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के कविता के खिलाफ मामले में मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। ईडी ने केजरीवाल व कविता के खिलाफ दायर अपने पूरक आरोप पत्रों के समर्थन में यह दलील दी। जांच एजेंसी का संक्षिप्त पक्ष सुनने के बाद अदालत मंगलवार को ईडी की दलीलें सुनना जारी रखेगी।

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में दो जून को को आत्मसमर्पण करने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग करते हुए ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट में आवेदन दाखिल किया है।

ईडी ने विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष कहा कि पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि सोमवार को समाप्त हो गई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर केजरीवाल एक जून तक अंतरिम जमानत पर बाहर हैं और शीर्ष अदालत ने उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है।

केजरीवाल और कविता के खिलाफ पर्याप्त सबूत: ईडी

ईडी ने अदालत को बताया कि केजरीवाल और सह-आरोपित भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के कविता के खिलाफ मामले में मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। ईडी ने केजरीवाल व कविता के खिलाफ दायर अपने पूरक आरोप पत्रों के समर्थन में यह दलील दी। जांच एजेंसी का संक्षिप्त पक्ष सुनने के बाद अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के बिंदु पर मंगलवार को ईडी की दलीलें सुनना जारी रखेगी।

वहीं, के. कविता की न्यायिक हिरासत को अदालत ने तीन जून तक के लिए बढ़ा दिया। ईडी ने हाल ही में दाखिल किए गए अपने आठवें पूरक आरोप पत्र में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व आम आदमी पार्टी को पहली बार आरोपित बनाया है।

आसमान से बरस रही आग, तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस; इस हफ्ते भी नहीं मिलेगी राहत

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम में दोपहर में सड़कों पर वाहनों की आवाजाही पहले के मुकाबले कम हो गई है और बाजारों में भी चहल-पहल कम हो गई है। लोग सुबह-शाम ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। गर्मी इतनी ज्यादा है कि दोपहर में कारों के एसी भी फेल हो रहे हैं। घरों में कूलर और पंखे बेअसर साबित हो रहे हैं। एसी से ही थोड़ी राहत मिल रही है।

गुरुग्राम। क्षेत्र भीषण गर्मी की चपेट में है। पिछले एक सप्ताह से रिकार्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। दिन का तापमान 45.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास झूल रहा है और पूरे सप्ताह गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। इतना ही नहीं लू के थपेड़ों से भी जनजीवन प्रभावित होने लगा है।

दोपहर में सड़कों पर वाहनों की आवाजाही पहले के मुकाबले कम हो गई है और बाजारों में भी चहल-पहल कम हो गई है। लोग सुबह-शाम ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। गर्मी इतनी ज्यादा है कि दोपहर में कारों के एसी भी फेल हो रहे हैं। घरों में कूलर और पंखे बेअसर साबित हो रहे हैं। एसी से ही थोड़ी राहत मिल रही है। मौसम विभाग ने इस सप्ताह भी हीट वेव चलने का अलर्ट जारी किया है।

धूप में निकलने की वजह से हीट स्ट्रोक का खतरा

लू के प्रकोप के कारण इंसान से लेकर पशु-पक्षी भी बेहाल हो रहे हैं। सोमवार को अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह सात बजे के बाद ही आसमान से आग बरसने लगती है। तेज धूप से शाम को सात बजे के बाद ही थोड़ी राहत मिल रही है। धूप में निकलने वाले लोगों को हीट स्ट्रोक का खतरा है। ऐसे में सावधानी बरतने की जरूरत है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लाखों लोगों के लिए गुड न्यूज, जल्द शुरू होगी गंगाजल की आपूर्ति

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने पहले चरण में 50 एमएलडी गंगाजल आपूर्ति करने की तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण द्वारा दो भूमिगत जलाशय बनाने का का निर्माण कार्य चल रहा है। अब प्राधिकरण का कहना है कि दो भूमिगत जलाशय का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। गंगाजल आपूर्ति को बिछी पाइपलाइन का लगातार सर्वे किया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भी गंगाजल की आपूर्ति का वादा किया था, लेकिन आज तक आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। इसके लिए कई बार डेडलाइन तय की गईं, लेकिन आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। पिछले दिनों ग्रेटर नोएडा वेस्ट में पानी की काफी किल्लत रही।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों को गंगाजल की आपूर्ति के लिए अभी चार महीने का इंतजार और करना होगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने पहले चरण में 50 एमएलडी गंगाजल आपूर्ति करने की तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण द्वारा दो भूमिगत जलाशय बनाने का का निर्माण कार्य चल रहा है। इससे पहले प्राधिकरण अगस्त तक पानी आपूर्ति का दावा कर रहा था।

2005 में गंगाजल आपूर्ति की परियोजना की शुरुआत हुई थी। करीब 18 वर्ष के इंतजार के बाद नवंबर 2022 में मुख्यमंत्री ने ग्रेटर नोएडा पहुंचकर गंगाजल परियोजना का उद्घाटन किया था। हालांकि ये आपूर्ति ग्रेटर नोएडा ईस्ट में होनी थी।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रही है पानी की किल्लत

उस समय प्राधिकरण ने चार महीने में सोसायटियों में पानी के टैंकर से आपूर्ति की गई। अब प्राधिकरण का कहना है कि दो भूमिगत जलाशय का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। गंगाजल आपूर्ति को बिछी पाइपलाइन का लगातार सर्वे किया जा रहा है। सर्वे में देखा जा रहा है कि कहां पाइपलाइन टूटी है और कहां कमजोर हो गई है।

पहले चरण में पहुंचाया जाएगा 50 एमएलडी गंगाजल

इन स्थानों को चिह्नित कर उन्हें दुरुस्त किया जाएगा। इसमें करीब तीन से साढ़े तीन महीने का समय लगेगा। उसके बाद आपूर्ति का ट्रायल होगा। यानी करीब चार महीने बाद ग्रेटर नोएडा वेस्ट को गंगाजल मिलना शुरू होगा। पहले चरण में 50 एमएलडी गंगाजल पहुंचाया जाएगा।

भविष्य में जरूरत के हिसाब से इसकी मात्रा बढ़ाई जाएगी। ग्रेटर नोएडा व ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गंगाजल आपूर्ति को 25 भूमिगत जलाशय बनाए गए हैं। शहर को शुद्ध पेयजल देने के लिए 85 क्यूसेक

गाजियाबाद में देर रात आभूषण कारोबारी की लूटी स्कूटी, अपनी बाइक छोड़कर फरार हुए बदमाश

कोतवाली क्षेत्र के चंद्रपुरी में रविवार देर रात आभूषण कारोबारी से बाइक सवार दो बदमाशों ने स्कूटी लूट ली। घटना के समय पीड़ति दुकान बंद कर घर जा रहे थे। मौके पर बदमाश अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। चंद्रपुरी निवासी पुनीत की चौपाल पर सीताराम ज्वेलर्स के नाम से प्रतिष्ठान है। रविवार देर रात करीब साढ़े दस बजे पुनीत अपनी दुकान बंद कर स्कूटी पर घर जा रहे थे।

गाजियाबाद। कोतवाली क्षेत्र के चंद्रपुरी में रविवार देर रात आभूषण कारोबारी से बाइक सवार दो बदमाशों ने स्कूटी लूट ली। घटना के समय पीड़ति दुकान बंद कर घर जा रहे थे। मौके पर बदमाश अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। चंद्रपुरी निवासी पुनीत की चौपाल पर सीताराम ज्वेलर्स के नाम से प्रतिष्ठान है। रविवार देर रात करीब साढ़े दस बजे पुनीत अपनी दुकान बंद कर स्कूटी पर घर जा रहे थे। चंद्रपुरी में घर के पास पहुंचने पर व्यापारी के एक बाइक पर आए दो युवकों है हाथ पर डंडा मार दिया। इससे व्यापारी का संतुलन बिगड़ गया और बदमाश उनको तमंचा दिखाकर स्कूटी लूटकर फरार हो गए। मौके पर आरोपित अपनी बाइक छोड़ गए। चंद्रपुरी में ही रहने वाले पार्षद राजीव शर्मा का कहना है कि बदमाशों की बाइक भागते हुए फिसल गई थी। इस वजह से वह मौके पर बाइक छोड़कर भागे हैं।

नोएडा में भी स्कूलों की छुट्टी, भीषण गर्मी के चलते लिया गया फैसला

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी से अभी राहत मिलने वाले आसार नहीं दिख रहे हैं। गर्मी की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी और भीषण लू को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में भी स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। नोएडा में स्कूल अग्रिम आदेश तक बंद रहेंगे।

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी से अभी राहत मिलने वाले आसार नहीं दिख रहे हैं। गर्मी की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी और भीषण लू को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में भी स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। नोएडा में स्कूल अग्रिम आदेश तक बंद रहेंगे।

नोएडा में सुबह कक्षा-8वीं तक के स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया था, लेकिन अब कक्षा 12 तक स्कूल बंद रहेंगे। यह सभी बोर्ड के स्कूलों पर आदेश लागू रहेगा। गौतमबुद्ध नगर के जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मवीर सिंह ने सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों से आदेश का पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

नोएडा में 46 पार हुआ पारा

औद्योगिक नगरी गौतमबुद्ध नगर में गर्मी के तेवर प्रतिदिन तीखे हो रहे हैं। सोमवार को अधिकतम पारा 46 डिग्री को पार कर दिया। पूरे दिन तपिश रहने के साथ लू चली। गर्म हवाओं के कारण सुबह 11 से शाम चार पांच के बीच घरों से बाहर निकले लोगों को बुरा हाल रहा। मौसम विभाग का 24 मई तक प्रचंड ग्रीष्म लहर चलने का अनुमान है। लगातार चौथे दिन पारा 45 डिग्री के पार रहा। दिन में 14 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली हवा और तपिश को बढ़ाया।

गाजियाबाद में 25 मई तक कक्षा-8 तक स्कूल बंद

डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने जिले के कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों को 25 मई तक के लिए बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने गर्मी के बढ़ते तापमान को देखते हुए आदेश जारी करते हुए बताया कि हीट वेव का प्रकोप है। ऐसे में बच्चों के साथ समस्या आ सकती है। इस कारण सभी विद्यालयों को 20 मई से 25 मई 2024 तक बंद करने के लिए आदेशित किया जाता है, जिसका सभी स्कूल प्रबंधन पालन कराना सुनिश्चित करेंगे।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस MLA धर्म सिंह छौक्कर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

परिवहन विशेष न्यूज

मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पानीपत के समालखा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छौक्कर (Dharm Singh Choukkar) की मुसीबत बढ़ सकती है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष महला की अदालत ने सोमवार को उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। मामले में विधायक के बेटे सिकंदर छौक्कर को ईडी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

गुरुग्राम। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पानीपत के समालखा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छौक्कर की मुसीबत बढ़ सकती है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष महला की अदालत ने सोमवार को उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। मामले में विधायक के बेटे सिकंदर छौक्कर को ईडी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

विधायक धर्म सिंह छौक्कर पर आरोप है कि उनकी कंपनी माहिरा होम्स ने किफायती आवास सोसायटी में निवेशकों के करीब 360 करोड़ रुपये लिए थे, लेकिन तय समय में सोसायटी का निर्माण नहीं हो सका। इसके साथ ही लाइसेंस लेने के लिए फर्जी बैंक गारंटी का इस्तेमाल किया गया। निवेशकों से लिए पैसे को निजी काम में भी इस्तेमाल करने का आरोप है।

कांग्रेस विधायक की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने अदालत में दलील दी कि नीरज चौधरी नामक व्यक्ति ने चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका दायर कर कार्रवाई की मांग की थी। इस पर अदालत की तरफ से मामला दर्ज करने का आदेश दिया गया। उस आदेश के विरोध में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई।

हाईकोर्ट ने दोबारा से जिला अदालत को मामला सुनने का आदेश दिया। दूसरी बार भी जिला अदालत ने मामला दर्ज करने का आदेश दिया, लेकिन फिर से हाईकोर्ट ने मामले को दोबारा से सुनने के लिए बोला। इस दौरान शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत वापस ले ली। इसके साथ ही जिस फर्जी बैंक गारंटी की बात कही जा रही है। अब तक किसी भी विभाग ने बैंक गारंटी से लिए गए लाइसेंस को रद्द नहीं किया है।

अभियोजन पक्ष की तरफ से अग्रिम जमानत का विरोध करते हुए दलील दी गई कि आरोपित से पूछताछ करनी है कि इस मामले में और कौन-कौन लोग जुड़े हैं। पहले भी ईडी की तरफ से लोन लेने और अन्य जानकारी के लिए दस्तावेज मांगे गए थे, लेकिन याचिकाकर्ता ने सहयोग नहीं किया। इसके लिए 14 बार (ईडी) प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से समन भी दिया गया था।

अदालत ने माना कि डीटीपी विभाग की तरफ से 2022 में लाइसेंस रद किया गया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छौक्कर की जमानत याचिका रद कर दी।

लू के थपेड़ों से जिंदगी की जंग हार है जाते हैं डेढ़ लाख से अधिक लोग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

हीटवेव और उसकी अवधि अब संकट का नया कारण बनती जा रही है। आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के साथ ही चीन और रुस में हीटवेव के कारण सर्वाधिक मौत हो रही है।

बात भले ही अजीब लगे पर यह सचाई है कि लू के थपेड़ों से डेढ़ लाख से अधिक लोग जिंदगी की जंग हार जाते हैं। वैसे तो दुनिया के सभी देश इससे प्रभावित हो रहे हैं पर भारत, रुस और चीन इससे सर्वाधिक प्रभावित हैं। प्रकृति का अत्याधिक और अंधाधुंध दोहन का परिणाम सामने आने लगे हैं। ऐसा नहीं है कि धरती के बढ़ते तापमान से दुनिया के देश चिंतित ना हो या इससे बेखबर हो पर इसे संतुलित करने के प्रयासों में जो लक्ष्य हासिल किया जाना था वह अभी दूर की कोड़ी ही सिद्ध हो रहा है। हालात बेहद चिंतनीय और गंभीर है। भारत के साथ-साथ ही दुनिया के देश अब जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से दो चार होने लगे हैं। बेमौसम बरसात, तेज गर्मी, तेज सर्दी, आए दिन तूफानों का सिलसिला, भू स्खलन, सुनामी, ग्लेसियरों से बर्फ का तेजी से पिघलना, भूकंपन, जंगलों में आए दिन दावानल और ना जाने क्या-क्या दुष्परिणाम सामने आते जा रहे हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि मौसम के समय व अवधि में भी तेजी से बदलाव होता जा रहा है। कब बरसात आ जाएं तो कब तेज गर्मी और कब सर्दी के तेवर तेज या कम हो जाते हैं यह पता ही नहीं चल रहा है। सबसे चिंतनीय बात यह है कि हीटवेव की चपेट में आने से लोगों की मौतों में तेजी से इजाफा होने लगा है। देखा जाए तो यह हीटवेव मौत का कारण बनने लगी है।

हीटवेव और उसकी अवधि अब संकट का नया कारण बनती जा रही है। आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के साथ ही चीन और रुस में हीटवेव के कारण सर्वाधिक मौत हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देशों में केवल लू के थपेड़ों की लपेट में आने से एक लाख 54 हजार से अधिक व्यक्ति अपनी जान गंवा देते हैं। प्रति दस लाख में से 236 व्यक्तियों की मौत हीटवेव के कारण हो रही है। रिपोर्ट की माने तो इनमें से हर पांचवां जान गंवाने वाला व्यक्ति भारतीय है। यह अपने आप में चिंतनीय और गंभीर है। यह अध्ययन भी 43 देशों के 750 स्थानों के तापमान के अध्ययन के आधार पर है। अध्ययन कर्ताओं के अनुसार पिछले 30 सालों में हीटवेव के कारण मौत के आंकड़ें में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

भारतीय मौसम विभाग की माने तो पूर्वी भारत में 1901 के बाद सर्वाधिक गर्मी इस साल अप्रैल में रिकॉर्ड की गई है। प. बंगाल में 2015 के बाद अप्रेल में सर्वाधिक लू के थपेड़ों को झेलना पड़ा है। इस तरह के कमोबेस हालात दुनिया के अधिकांश देशों में देखे जा सकते हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि समुद्र का जल स्तर बढ़ता जा रहा है और उसके परिणाम स्वरुप समुद्र के किनारे बसे शहरों का अस्तित्व तक संकट में आने लगा है। दरअसल यह सारी समस्या मानव जनित समस्या है। अधांधुंध शहरीकरण, पेड-पौधों के जंगलों के जगह लोह कंक्रिट के खड़े होते जंगल, जन संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी और कार्बन-उत्सर्जन में लगाम लगाने में विफलता के परिणाम सामने आते जा रहे हैं। जैविक विविधता प्रभावित होती जा रही है। आधुनिकीकरण के नाम पर नित नए प्रयोग होने लगे हैं। जलवायु को प्रभावित करने वाले उत्पादों का उपयोग बेतहासा बढ़ा है। दुर्भाग्यजनक हालात यह है कि जिस उत्पाद को हम आज उपादेय बता रहे हैं एक समय बाद वहीं उत्पाद से होने वाले नुकसान गिनाने लगते हैं। दूसरी और वातावरण की नमी को समाप्त कर तापमान बढ़ाने में इन उत्पादों की खास भूमिका हो रही है। इन सबके साथ ही इंसानी गतिविधियों में बदलाव होने के साथ ही दखल बड़ा है। एक समय था जब बड़े जोर शोर के साथ पोलिथीन को उतारा गया और आज दुनिया के देश पालिथीन से मुक्ति चाहने लगे है। इसका कारण भी साफ है लोगों को पोलिथीन से होने वाले नुकसान का पता चलने लगा है।

आज एसी, फ्रीज, ओवन आदि की घर घर उपलब्धता आसान हो गई है। अब ऐसी, फ्रीज या इस तरह के अन्य उत्पाद किस तरह से वातावरण को गर्म कर रहे हैं यह किसी से छुपा नहीं है। एक समय थर्मल पॉवर के प्लांट आवश्यकता थी पर आज कोयले की धुंआ के कारण किस तरह से वातावरण दूषित हो रहा है यह समझने लगे हैं। घर में जलने वाले बल्व की बात करें तो सामान्य बल्व से सीफएल और उसके बाद एलईडी और सोलर का युग आ गया। सवाल कई बार तो ऐसे लगता है जैसे कि मार्केट फोर्सेज भी बहुत कुछ प्रभावित करती है। आज आर ओ का सेचुरेशन आ गया तो इसका उपयोग हानिकारक बताया जाने लगा हैं उसी तरह से जापान में ओवन को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया जाने लगा है। ईंधन के जितने भी साधन है वे सभी वातावरण को दूषित करने में आगे हैं। इसी तरह से सुविधाजनक इलेक्ट्रोनिक उत्पाद वातावरण को बिगाडने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे।

देखा जाए तो प्रकृति के साथ खिलवाड करने का नजीजा सामने आने लगा है। वातावरण दूषित होने के साथ ही कभी सावन बिन बरसात रह जाता है तो कभी अप्रेल मई में भी बरसात के कारण सर्दी से दो चार होना पड़ जाता है। समय आ गया है जब इस समस्या के निराकरण के लिए विशेषज्ञों को खासतौर से ध्यान देना होगा नहीं तो हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जाएंगे। इसे भले ही चेतावनी समझा जाएं या कुछ और पर सब कुछ शीशे की तरह साफ है। अब समय आ गया है कि धरती के बढ़ते तापमान के स्तर को कम करने के उपायों पर गंभीरता से प्रयास किये जाएं।

उबर दिल्ली में जल्द शुरू करेगी बस सर्विस, ऐप से बस में सीट बुक कर पाएंगे यात्री

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली प्रीमियम बस स्कीम के तहत राजधानी में जल्द ही उबर की बसें सड़कों पर दौड़ती नजर आएंगी। इस स्कीम के तहत दिल्ली में सबसे पहले लाइसेंस उबर को मिला है। इस योजना के पायलट प्रोग्राम सफल रहने के बाद दिल्ली में उबर को बस सर्विस शुरू करने के लिए लाइसेंस मिला है। यात्रियों को उबर ऐप से बस में सीट बुक करने की सुविधा मिलेगी।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की सड़कों में जल्द Uber की प्रीमियम बसें दौड़ती नजर आएंगी। उबर की बसें दिल्ली प्रीमियम बस स्कीम के तहत चलेंगी। कंपनी ने एक बयान जारी कर बताया कि उन्हें दिल्ली ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट से एग्रीगेटर लाइसेंस मिल गया है। ऐसे में कंपनी के लिए दिल्ली में शटल सर्विस शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है।

उबर शटल इंडिया के प्रमुख अमित देशपांडे ने बताया कि दिल्ली प्रीमियम बस स्कीम के तहत सबसे पहले लाइसेंस दिल्ली को मिला है। इसके साथ ही दिल्ली पहला राज्य है, जहां उसे बस ऑपरेट करने के लिए लाइसेंस मिला है। पायलट प्रोग्राम सफल होने के बाद यह योजना लाई जा रही है। दिल्ली में बसों की भारी मांग है। वे आगे कहते हैं कि दिल्ली में उबर की बस सर्विस शुरू करने को लेकर हम काफी उत्साहित हैं।

ऐप से बुक कर पाएंगे सीट

दिल्ली में चलने वाली उबर बस में सीट पहले ही बुक की जा सकती हैं। इसके लिए ग्राहक निर्धारित रूट में उबर ऐप से Uber Shuttle ऑप्शन से बस में अपनी सीट रिजर्व कर पाएंगे। दिल्ली में उबर की शटल सर्विस शुरू होने का फायदा उन लोगों को होगा जिन्हें रोज निर्धारित रूट पर सफर करना होता है। वे अब पहले से अपने लिए सीट बुक कर पाएंगे। इससे साथ ही सरकारी बसों पर बढ़ रहे यात्रियों का बोझ भी कम होगा।

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, यात्री करीब एक सप्ताह पहले तक सीटों की प्री-बुकिंग कर सकेंगे। इसके साथ ही वह ऐप में बस की लाइव लोकेशन और रूट को ट्रैक कर पाएंगे। इसके साथ ही एक जगह से दूसरी जगह जाने में लगने वाले अपेक्षित समय (ईटीए) को उबर ऐप पर देख पाएंगे।

स्थानीय फ्लीट ऑपरेटर्स को होगा फायदा

दिल्ली में चलने वाली शटल बस की कैपेसिटी 19 से 50 यात्रियों की होगी। उबर की टेक्नोलॉजी की मदद से स्थानीय फ्लीट ऑपरेटर राजधानी में अपनी बसें चला पाएंगे। उबर को शटल बस शुरू करने से पहले एक पायलट प्रोग्राम चलाया गया था। इसके साथ ही पिछले साल उबर में कोलगाता में इस तरह की सर्विस शुरू करने के लिए पश्चिम बंगाल के साथ समझौता किया था।

बदल गया एमजी एस्टर का लुक, लॉन च से पहले लीक हुई फेसलिफ्ट की फोटो, मिली ये जानकारियां

ब्रिटिश कार निर्माता MG Motors की ओर से भारत में कई बेहतरीन कारों और एसयूवी को ऑफर किया जाता है। लेकिन कंपनी की मिड साइज एसयूवी Astor के Facelift वर्जन के लॉन च से पहले ही इसकी फोटो सोशल मीडिया पर लीक हो गई हैं। लीक हुई फोटो से एसयूवी के बारे में क या जानकारी मिल रही है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। एमजी मोटर्स की ओर से मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में Astor को ऑफर किया जाता है। कंपनी जल्द ही इस गाड़ी के Facelift वर्जन को लॉन्च कर सकती है। लॉन्च से पहले सोशल मीडिया पर इसकी कुछ फोटो लीक हो गई हैं। जिसमें इसके डिजाइन से लेकर फीचर्स तक की जानकारी सामने आई है। MG Astor Facelift में क्या बदलाव किए गए हैं। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

MG Astor Facelift की फोटो हुई लीक

एमजी की ओर से एस्टर फेसलिफ्ट की फोटो सोशल मीडिया पर लीक हो गई हैं। लॉन्च से पहले लीक हुई फोटो में एसयूवी के डिजाइन से लेकर फीचर्स और रंग की जानकारी मिल रही है।

फ्रंट में क्या हुआ बदलाव

सोशल मीडिया पर लीक हुई फोटो में एस्टर फेसलिफ्ट को नए रंग में दिखाया गया है। इसके अलावा गाड़ी के फ्रंट से लेकर रियर तक में कई बदलाव किए गए हैं, जिससे यह काफी फ्रेश लग रही है। इसमें नए और पतले एलईडी डीआरएल और लाइट्स दी गई हैं। इसके फ्रंट में नए तरीके से डिजाइन की गई ग्रिल को दिया गया है। अग्रेसिव बंपर के साथ बड़े एयर डैम दिए गए हैं। इसके फ्रंट में कैमरा भी दिया गया है। इसके अलावा इस गाड़ी के फ्रंट में नीले रंग के इंसर्ट्स को भी दिया गया है, जिससे यह अंदाजा मिल रहा है कि इसे हाइब्रिड तकनीक के साथ भी ऑफर किया जा सकता है।

साइड और रियर में भी हुए बदलाव

एसयूवी के फेसलिफ्ट वर्जन के साइड और रियर में भी कई बदलाव किए गए हैं। रियर में नई डिजाइन की गई एलईडी लाइट्स के साथ ही बंपर पर सिल्वर गार्निश, रियर वाइपर और वॉशर, एक्सटेंडेड रूफ स्पॉयलर, हाई-माउंट स्टॉप लैंप और शॉर्क फिन एंटीना को दिया गया है। साइड प्रोफाइल में ब्लैक पिलर, और ब्लैक ओआरवीएम, ड्यूल टोन में अलॉय व्हील्स को दिया गया है।

इंटीरियर में क्या बदला

एसयूवी के इंटीरियर में भी कई बदलावों को किया गया है। जिसमें ऑल ब्लैक थीम के साथ नए डिजाइन वाला डैशबोर्ड, ट्विन डिस्प्ले सेटअप वाला इंफोटेनमेंट सिस्टम और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्टेयरिंग व्हील पर मीडिया कंट्रोल के साथ ही क्रूज कंट्रोल को दिया गया है। इसके फेसलिफ्ट वर्जन में सबसे बड़ा बदलाव गाड़ी के सेंटर कंसोल में किया गया है। जिसके साथ छोटा गियर लीवर और इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक दिए गए हैं। साथ ही इसमें वायरलेस चार्जर को भी दिया गया है।

कब होगी लॉन्च

कंपनी की ओर से अभी इसके बारे में किसी भी तरह की कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि एमजी की ओर से अगस्त तक इस गाड़ी को भारतीय बाजार में आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जा सकता है।

स्कूटर सेगमेंट में होंडा का दबदबा कायम, जानें अप्रैल 2024 में बिक्री के मामले में टॉप-10 का कैसा रहा हाल

भारतीय बाजार में हर महीने बड़ी संख्या में दो पहिया वाहनों की बिक्री होती है। जिसमें स्कूटर सेगमेंट का भी बड़ा योगदान रहता है। April 2024 के दौरान भी देशभर में लाखों की संख्या में स्कूटर्स की बिक्री हुई है। बीते महीने सबसे ज्यादा किस स्कूटर (Scooter Sales) की मांग रही। टॉप-10 की लिस्ट (Top-10 Scooters) में कौन कौन शामिल हुआ।

नई दिल्ली। देश में हर महीने लाखों की संख्या में स्कूटर्स की बिक्री होती है। April 2024 के दौरान Top-10 लिस्ट में किस कंपनी का कौन सा स्कूटर (Scooter Sales) शामिल हुआ है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Scooter Segment में कैसी रही बिक्री

भारतीय बाजार में April 2024 के दौरान पांच लाख से ज्यादा स्कूटर्स की बिक्री हुई है। आंकड़ों के मुताबिक बीते महीने टॉप-10 लिस्ट में शामिल स्कूटर्स की बिक्री 547946 यूनिट्स रही। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर स्कूटर सेगमेंट के टॉप-10 की बिक्री में करीब 25 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है।

पहले पायदान पर रहा Honda Activa

भारत में होंडा की ओर से एक्टिवा स्कूटर को ऑफर किया जाता है। बीते महीने में भी इस स्कूटर की सबसे ज्यादा यूनिट्स की बिक्री हुई। जानकारी के मुताबिक होंडा ने इस स्कूटर की कुल 260300 यूनिट्स की बिक्री April 2024 में की है। अप्रैल 2023 के दौरान इसकी कुल 246016 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

दूसरे नंबर पर रहा TVS Jupiter

होंडा एक्टिवा के बाद इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर टीवीएस का जुपिटर रहा। इस स्कूटर की कुल 77086 यूनिट्स की बिक्री बीते महीने में हुई है। वहीं पिछले साल April महीने में इसकी कुल 59583 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

एक महीने बाद ही टोयोटा की दमदार एमपीवी की बुकिंग अस्थाई तौर पर रोकी गई, जानें क्या है कारण

जापानी वाहन निर्माता Toyota की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन कारों और एसयूवी को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से अपनी एक दमदार इंजन और फीचर्स के साथ आने वाली MPV की बुकिंग को एक बार फिर से अस्थाई तौर पर रोक दिया है। टोयोटा ने किस कारण से किस गाड़ी की बुकिंग को अस्थाई तौर पर रोका है।

नई दिल्ली। जापानी कार निर्माता Toyota की ओर से अपनी एक दमदार MPV की बुकिंग को अस्थाई तौर पर रोक दिया गया है। कंपनी ने किस गाड़ी के लिए किस कारण से बुकिंग को अस्थाई तौर पर रोका है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Toyota ने किस गाड़ी की बुकिंग रोकी

जापानी वाहन निर्माता Toyota की ओर से MPV के तौर पर Innova Hycross को ऑफर किया जाता है। कंपनी की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक इस एमपीवी के लिए अस्थाई तौर पर बुकिंग को रोक दिया गया है। टोयोटा ने इस एमपीवी के Hybrid वर्जन के दो ट्रिम पर ही बुकिंग को रोका है।

किन वेरिएंट्स की बुकिंग रोकी

टोयोटा ने Innova Hycross के Hybrid वर्जन के सिर्फ दो वेरिएंट्स पर बुकिंग को अस्थाई तौर पर रोक दिया है। जिनमें ZX और ZX (O) शामिल हैं। यह दोनों ही इस एमपीवी के टॉप वेरिएंट हैं। टोयोटा ने इस गाड़ी के लिए अप्रैल महीने में ही बुकिंग को फिर से शुरू किया था। इन वेरिएंट्स के अलावा इस एमपीवी के अन्य सभी वेरिएंट्स के लिए फिलहाल बुकिंग ली जा रही है।

अन्य वेरिएंट्स के लिए कितना इंतजार

कंपनी की वेबसाइट पर जानकारी दी गई है कि Innova Hycross Hybrid के अन्य सभी वेरिएंट्स के लिए फिलहाल बुकिंग को लिया जा रहा है। लेकिन इन वेरिएंट्स पर ऑर्डर देने के बाद करीब 14 महीने तक इंतजार करना पड़ सकता है।

कैसे हैं फीचर

टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस के हाइब्रिड वर्जन में कंपनी कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर करती है। इसमें 10 इंच की टचस्क्रीन के साथ इंफोटेनमेंट सिस्टम, सात इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ड्यूल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, फ्रंट वेंटिलेटिड सीट, वायरलेस चार्जर और पैनोरमिक सनरूफ जैसे कई बेहतरीन फीचर्स को दिया जाता है।

कितनी है कीमत

टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस की एक्स शोरूम कीमत की शुरूआत 18.92 लाख रुपये से हो जाती है और इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 30.98 लाख रुपये तक है। लेकिन कंपनी ने जिन वेरिएंट्स के लिए बुकिंग को अस्थाई तौर पर रोका है, उनकी एक्स शोरूम कीमत 30.34 और 30.98 लाख रुपये एक्स शोरूम है।

हीरो और हार्ले कर रहीं विस्तार की तैयारी, मिलकर लॉन्च करेंगी नई बाइक्स, जानें डिटेल

देश की प्रमुख दो पहिया वाहन निर्माता हीरो मोटोकॉर्प और अमेरिकी दो पहिया कंपनी हार्ले डेविडसन भारतीय बाजार में विस्तार की तैयारी कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों कंपनियां जल्द ही अन्य कंपनियों को चुनौती देने के लिए कई बाइक स को लॉन्च कर सकती हैं। रिपोर्ट्स के हवाले से और क या जानकारी मिल रही है।

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हीरो मोटोकॉर्प और हॉर्ले डेविडसन जल्द ही नई बाइक्स को भारतीय बाजार में लॉन्च कर सकती हैं। रिपोर्ट्स में दोनों कंपनियों के विस्तार को लेकर और क्या जानकारी मिली है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Hero और Harley लाएंगी नई बाइक स

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत की प्रमुख दो पहिया वाहन निर्माता Hero Motocorp और अमेरिका की प्रमुख दो पहिया कंपनी Harley Davidson भारत में अपना विस्तार करने की तैयारी कर रही हैं। दोनों कंपनियां मिलकर जल्द ही इसकी आधिकारिक तौर पर घोषणा भी कर सकती हैं और इसके अलावा दोनों कंपनियों की साझेदारी में कई और बेहतरीन बाइक्स को भारत में लॉन्च किया जा सकता है।

किस सेगमेंट में आएंगी बाइक स

फिलहाल कंपनी की ओर से किसी भी तरह की कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों कंपनियां मिलकर भारत में कई और प्रीमियम सेगमेंट में बाइक्स को ला सकती हैं। जिसमें 500सीसी और उससे बड़ी बाइक्स के सेगमेंट शामिल हैं। इसके साथ ही हॉर्ले की सभी बाइक्स का उत्पादन, सर्विस, बिक्री को भी हीरो ही संभालेगी।

साझेदारी में लॉन च हुई है एक बाइक

हीरो मोटोकॉर्प और हॉर्ले डेविडसन की साझेदारी में एक बाइक को पिछले साल लॉन्च किया गया था। दोनों कंपनियों ने मिलकर X440 बाइक को भारत में साल 2023 में लॉन्च किया था। इस बाइक को पूरी तरह से हीरो मोटोकॉर्प ने बनाया था, लेकिन इसे हॉर्ले डेविडसन के नाम से भारत में लाया गया था। जिसे ग्राहकों की ओर से काफी बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली।

सियासत में उपेक्षित वीरभूमि का सैन्य बलिदान

प्रताप सिंह पटियाल

हुक्मरानों को हिमाचल प्रदेश के सैन्य बलिदान से मुखातिब होना होगा। सशस्त्र सेनाओं में वीरभूमि के दमदार सैन्य इतिहास के मद्देनजर राज्य के सैन्य भर्ती कोटे में बढ़ोतरी होनी चाहिए। युवाओं के मुस्तकबिल से जुड़े इस मुद्दे पर सूबे की लीडरशिप को राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का पक्ष पूरी शिद्दत से रखना होगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हिमाचल प्रदेश के गौरवशाली सैन्य पराक्रम व देश के लिए सैकड़ों सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान ने राज्य को 'वीरभूमि' का सम्मान दिलाया है। वतन-ए-अजीज के स्वाभिमान के लिए जंग का मैदान हो या देश को मजबूत सियासी नेतृत्व प्रदान करने के लिए सत्ता का संग्राम, राज्य के लाखों सैनिक दोनों मोर्चों पर अपनी अहम भूमिका अदा करते आए हैं, मगर विडंबना है कि सैन्य परिवारों तथा सामरिक विषयों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे किसी भी सियासी दल के चुनावी घोषणापत्र में शामिल नहीं होते। प्रदेश के पूर्व सैनिक कई वर्षों से भारतीय सेना में अपने राज्य की अलग पहचान के लिए हिमाचल रेजिमेंट के गठन की मांग करते आ रहे हैं, मगर राज्य की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मुद्दे की आवाज सियासी तौर पर उस शिद्दत से बुलंद नहीं हुई कि मरकजी हुकूमत के सियासी गलियारों में सुनाई दे सके। नतीजतन यह मुद्दा उपेक्षा का शिकार हो गया। सैन्य परिवारों की संख्या के मद्देनजर राज्य में 'पूर्व सैनिक अंशदान स्वास्थ्य योजना' (ईसीएचएस) व आर्मी कैंटीनों का विस्तार होना चाहिए। सीएसडी डिपो, सैन्य अकादमी व सैनिक स्कूल खोलने की मांग भी लंबे वक्त से हो रही है।

पहाड़ की विषम परिस्थितियों के मद्देनजर राज्य में रोजगार के सीमित साधन होने के कारण ज्यादातर युवा अपने कैरियर के लिए सशस्त्र सेनाओं का रुख करते हैं, लेकिन हमारे देश में सेना में जवानों की नियुक्ति का पैमाना 'रिक्रूटेबल मेल पापुलेशन' (आरएमपी) इंडेक्स सिस्टम पर आधारित है। बड़ी आबादी वाले राज्यों को सैन्य भर्ती की वैकेंसी जनसंख्या के आधार पर प्रदान की जाती है। यानी शौर्य पराक्रम के इतिहास व योग्यता से ज्यादा आबादी को तरजीह दी जाती है। प्रश्न यह है कि यदि किसी सूबे में किसी समुदाय की आबादी तेज रफ्तार से बढ़ रही है तो क्या जनसंख्या को आधार बनाकर उस राज्य की सैन्य भर्ती की वैकेंसी में इजाफा कर दिया जाएगा? भारत में जनसंख्या विस्फोट एक बड़ी चुनौती बन चुका है। यदि कोई राज्य जनसंख्या संतुलन को बरकरार रखने के लिए देशहित में राष्ट्रवादी नजरिए की मिसाल कायम कर रहा है तो क्या कम आबादी का हवाला देकर उस राज्य की सेना में वैकेंसी घटा दी जाएगी? किसी राज्य के कुर्बानियों से लबरेज सैन्य इतिहास को नजरअंदाज कर दिया जाएगा? बेशक जम्हूरियत के निजाम में इक्तदार हासिल करने के लिए आबादी का अंकगणित एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। परंतु जनसंख्या की अहमियत व जाति-मजहब के समीकरण तथा सियासी मंचों से जज्बाती तकरीरें केवल वोट बैंक साधने के लिए मुफीद हो सकते हैं। जब पड़ोस में जम्हूरियत को रक्तरंजित करने वाले चीन व पाकिस्तान जैसे नामुराद मुल्क सरहद पर हरदम भारत को दहलाने का मंसूबा तैयार करके बैठे हों तो आरएमपी सिस्टम या जनसंख्या कोई मायने नहीं रखते। दुश्मन देशों से निपटने के लिए फिदा-ए-वतन के जज्बात रखने वाले रणबांकुरों की जरूरत होती है। वीरभूमि के सैन्य पराक्रम की विरासत पर हर प्रदेशवासी गर्व महसूस करता है।

बड़े राज्यों की अपेक्षा आबादी व क्षेत्रफल में छोटा राज्य हिमाचल सैन्य वीरता पदकों की संख्या में शीर्ष पर काबिज है। देशरक्षा के मोर्चे पर राज्य के सपूतों का बलिदान बाकी राज्यों की अपेक्षा कहीं अधिक है। दो विश्व युद्ध, आजाद हिंद फौज, देश के लिए पांच बड़े युद्ध, यूएनओ मिशन के तहत विदेशी भूमि पर शांति सैन्य अभियान तथा कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर राज्यों तक आतंक विरोधी सैन्य आपरेशनों में वीरभूमि के सैनिकों ने अदम्य साहस के कई सुनहरे मजमून लिखे हैं। जंगे अजीम में दो 'विक्टोरिया क्रॉस', आजादी के बाद चार 'परमवीर चक्र', तीन 'अशोक चक्र' तथा तेरह 'महावीर चक्र' रणभूमि में दुश्मन के समक्ष शूरवीरता के ये आलातरीन सैन्य पदक वीरभूमि के सैनिकों की दास्तान-ए-शुजात की तस्दीक करते हैं। आजाद हिंद फौज के सैन्य एजाज से सरफराज जांबाज कर्नल 'मेहर दास', 'सरदार-ए-जंग' कै. 'बख्शी प्रताप सिंह', 'तगमा-ए-शत्रुनाश' लेफ्टिनेंट 'अमर चंद', 'तगमा-ए-बहादुरी' कै. 'हरि सिंह', 'शेर-ए-हिंद' लेफ्टिनेंट 'सुखदेव चौधरी', 'वीर-ए-हिंद' कै. ठाकुर राम सिंह तथा तख्ता-ए-दार पर झूलने वाले क्रांतिकारी मेजर दुर्गामल व कै. दल बहादुर थापा। भले ही वर्तमान में पहाड़ की सैन्य पृष्ठभूमि के ये नाम गुमनामी के अंधेरे में जा चुके हैं, मगर देश की आजादी के लिए अंग्रेजों की सफ्फाक हुकूमत से लडने वाले उन इंकलाबी चेहरों की कर्मभूमि हिमाचल प्रदेश ही था। दरअसल जाति-मजहब की सदारत करने वाले सियासी रहनुमाओं व सियासी जमातों की देश में कोई कमी नहीं है। आजादी के बाद से देश के लाखों भूतपूर्व सैनिक व उनके परिवार सियासी रहनुमाओं को सत्ता के सिंहासन पर विराजमान करने में अपना योगदान दे रहे हैं। भूतपूर्व सैनिकों के लिए सरकारी नौकरियों में कोटा जरूर निर्धारित हुआ है। उसका भी अक्सर विरोध होता है, मगर देश के तमाम इदारों पर नियंत्रण सियासी व्यवस्था का ही होता है।

राज्यसभा में कला, साहित्य व मायानगरी से ताल्लुक रखने वाले बारह सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामांकित किए जाते हैं, लेकिन 'स्वयं से पहले राष्ट्र' के सिद्धांत पर काम करने वाली भारतीय सेना के अनुभवी भूतपूर्व सैनिकों की सियासी व्यवस्था में भागीदारी सुनिश्चित नहीं हुई। नतीजतन राष्ट्रीय सुरक्षा व सैनिकों तथा आजादी के परवानों से जुड़े मुद्दे जम्हूरियत की पंचायतों में चर्चा का मरकज नहीं बनते। सियासी इच्छाशक्ति के अभाव में कारगिल के बलिदानी कै. सौरभ कालिया की पाक सेना द्वारा की गई हत्या का मुकद्दमा अंतरराष्ट्रीय न्यायालय तक नहीं पहुंच पाया। 'वन रैंक वन पेंशन' का मुद्दा दशकों तक लंबित रहा। इन विषयों पर तफसील से तब्सिरा पेश होना चाहिए। बहरहाल देश के हुक्मरानों को हिमाचल प्रदेश के सैन्य बलिदान से मुखातिब होना होगा। सशस्त्र सेनाओं में वीरभूमि के दमदार सैन्य इतिहास के मद्देनजर राज्य के सैन्य भर्ती कोटे में बढ़ोतरी होनी चाहिए। युवाओं के मुस्तकबिल से जुड़े इस मुद्दे पर सूबे की लीडरशिप को राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का पक्ष पूरी शिद्दत से रखना होगा। इस मुद्दे को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

संपादक की कलम से

हिमाचल में कितने साम्राज्य

चुनाव की आंखें जो देख रही हैं, उससे भिन्न हैं हमारे जहां। छोटे से हिमाचल में समाज ने बड़े ही गोपनीय अंदाज से बड़े-बड़े साम्राज्य बना लिए हैं। ये साम्राज्य कानून व्यवस्था से बेफिक्र, प्रशासनिक चौकसी से दूर और सियासी प्रणाली से गलबहियां करते मिल जाएंगे, फिर भी कसूर सिर्फ मतदाता का है जो वर्षों से लोकतांत्रिक देश में आंखें फाड़ कर खुद को देखने में असफल हो रहा है। हमें कोफ्त नहीं कि पहाड़ कट कर मैदान हो गया, हमें दुख नहीं कि हमारी अपनी नदी सूख गई। हम विकास की चिलमन से सुखद नजारे देखना चाहते हैं, लेकिन आंखों पर पर्दे लिए परिवेश गंवा रहे हैं। बड़ी आशा में विकास की आपूर्ति करना हिमाचल सीख गया कि अवैध खनन की रेत छाननी कैसे और यह भी कि बीबीएन औद्योगिक परिसर से निकलते स्क्रैप की वैधता में अवैध वसूली मजबूत कैसे करनी है। हमें आश्चर्य अब होता ही कहां। हमें मालूम है कि हर पार्टी की जुबान फिसलती है और सत्ता का विपक्ष और विपक्ष का सत्ता होना अब सालता कहां। नागरिक समाज को चाहिए राजनीतिक चुगलखोरी, इसलिए वर्तमान चुनाव के कान हैं कहां। सभी बोल रहे हैं लेकिन कान को कानों कान खबर नहीं। हमें मालूम है कि कालेज की वर्तमान पढ़ाई से हमारे बच्चे नौकरी के काबिल नहीं बनेंगे, फिर भी जिद्द है कि बस्ती-बस्ती शिक्षण संस्थान खुल जाएं। हर स्कूल में एक साम्राज्य है और हर कालेज के साम्राज्य में कई स्वयंभू राजा हैं।

जवाली के स्कूल का दस्तूर हमें बताता है कि अगर मूड में आना हो तो अध्यापक के लिए परिसर में मयखाना भी मयस्सर है। श्रीमान अध्यापक महोदय का वीडियो बता रहा है कि प्रदेश में असली बादशाहत है किसकी। ताज्जुब यह कि पर्यटन में हम अपने प्रदेश की नई तस्वीर-नई तासीर ढूंढ रहे हैं, जबकि टूटती शराब की बोतलों के पैमानों में देवभूमि की छवि झांक रही है। मनाली में भोपाल की युवती का शव शायद कुछ न कहे, लेकिन चेतावनी जरूर दे रहा है। पर्यटन के साम्राज्य में सांस्कृतिक नासूर चल रहे हैं और कसूर यह कि हमारे होटल खाली हैं। हम पुनः चुनाव में उन्हीं चेहरों के दम पर किसका साम्राज्य ढूंढ रहे हैं। कहीं सियासत मशगूल है एक नया साम्राज्य बनाने में ताकि सत्ता से हासिल प्रभावशाली रहे। वे सैकड़ों तोरणद्वार दोषी हैं, जिनके नीचे से हमारे राजा निकल रहे हैं। हमारे उधार, व्यवस्था के कर्जदार निकल रहे हैं। हम बंट गए, हर किसी की बोली में फंस गए। इसी हिमाचल में उम्मीदवारों की जातियां पहचानेंगे, तो दुर्ग अनेक उन्हीं पुरानी ईंटों को जोड़ रहे हैं। इस बार लोकसभा चुनाव के भीतर हिमाचल भी साम्राज्य है। कहीं कांगड़ा, तो कहीं हमीरपुर का दुर्ग और कहीं मंडी नरेश का फैसला होगा। इसी तरह उपचुनावों में बागी विधायकों का जमावड़ा यूं तो भाजपा के साम्राज्य के लिए लड़ रहा है, लेकिन जो ढह गए उन्हें कल कौन कबूल करेगा। किलेबंदियों में हिमाचल ने राजनीति को श्रेष्ठ मान लिया। इसलिए उस अदने से कर्मचारी को देखिए जो ताउम्र एक ही स्टेशन पर अड्डा जमाए अपना साम्राज्य बना लेता है।

सुनिश्चित दायरे में घूम रहे सरकारी कर्मचारी कितने ताकतवर हैं कि यह राज्य स्थानांतरण नीति की जरूरत ही नहीं समझता। स्थायी रूप से कर्मचारियों के साम्राज्य को पुख्ता करते चुनाव हमेशा चुग्गा बन जाते, लेकिन बेरोजगार आजतक खुद को किसी मोर्चे पर खड़ा नहीं कर पाए। हिमाचल में क्षेत्रवाद की उत्पत्ति का सबसे बड़ा कारण यही साम्राज्यवाद है जो वर्षों बाद भी सरकारों की प्रवृत्ति में एक सुरक्षित ठौर ढूंढ रहा है। सत्ता के बीच साम्राज्य की ऊंची दीवारे भले ही कितनी ऊंची हों, लेकिन चुनाव का हर प्रहार सरकारों के साम्राज्य को ही छिन्न-भिन्न कर रहा है और यही एक आशावान पहलू है जो हिमाचल को सदा नई भूमिका में परवान चढ़ाने की कोशिश करता रहता है।

ज्ञान

शव संवाद-44

मोल भाव का हुनर किसी भी व्यक्ति को आम से खास बना सकता है, इसी में पारंगत होकर लोग सदियों से सब्जी वाले से मुफ्त धनिया, स्वाद चखने के नाम पर मुफ्त की मिठाई और शादी के नाम पर एक ही लुगाई से सारी जिंदगी निकाल रहे हैं। हुनर ने इनसान को तरह तरह के कामों के जरिए कहीं से कहीं पहुंचा दिया। हुनर एक तरह का प्रक्षेपण है, कई बार सुलगा कर पैदा होता है। पत्नियां अक्सर शादी के हुनर में बर्बाद हुए पति को सुलगा कर हुनरमंद बना देती हैं। यही आश्चर्य बुद्धिजीवी को होता है, जब उसकी पत्नी उसे हुनरमंद बना देती है। हर बार एक नया हुनर उसके सामने लटका दिया जाता है। उसे शादी की खातिर हुनर अपनाते अपनाते यह तो मालूम हो ही गया कि जीवन और बाजार में टिके रहने के लिए मोल भाव करते रहना चाहिए, इसलिए उसकी इस आदत के कारण हर बाजार बुद्धिजीवी से घबराने लगा है। मोल भाव करते करते साधारण व्यक्ति कब बुद्धिजीवी बन जाए, यह सरकारी व्यवस्था को भी मालूम नहीं। एक दिन उसकी पत्नी ने फरमाइश कर दी कि घर में कहीं से अच्छी नस्ल का कुत्ता लेकर आओ। बुद्धिजीवी का मत था कि कुत्ता तो गली का भी काफी वफादार होता है, क्यों न पाल पोस कर उनमें से ही एक को पालतू होने का हुनर सिखा दिया जाए। पत्नी पड़ोसन के पति से अपने पति के हुनर की प्रतिस्पर्धा कर बैठी थी, इसलिए पड़ोस से बेहतर पालतू कुत्ते की मांग पर अड़ी थी। बुद्धिजीवी अपने घरेलू अनुभव और पत्नी की सीख पर केंद्रित पालतू कुत्ता ढूंढता, लेकिन वह मोल भाव करने में सफल नहीं हो रहा था।

मालिक ने बताया, 'कुत्तों को पालतू बनाने की लागत ही उनकी कीमत है। जो काम इनसान शादी को बचाए रखने के लिए पल भर में कर लेता है, वही काम पालतू बनने में कुत्ता भारी खर्च बटोरता है। कुत्ते को पालतू बनाने का कोई हुनर स्थायी नहीं, लेकिन शादीशुदा बुद्धिजीवी को बरगलाने का हुनर पारंपरिक है।' बुद्धिजीवी पहली बार कुत्ते के प्रश्न पर कुछ नहीं बोल पाया, लेकिन उसने तय किया कि क्यों न किसी आवारा को पालतू बनाया जाए। गली के एक कुत्ते के गले में पटा और जंजीर बांधकर उसने अपने ही हुनर का मोल भाव शुरू कर दिया। वह अपनी भाषा में कुत्ते को कुत्ता बनकर समझाने की कोशिश करता, तो कभी कुत्ते की भाषा में समझने की कोशिश करता। इधर कुत्ते ने दृढ़ प्रतिज्ञा कर रखी थी कि वह कम से कम बुद्धिजीवी का पालतू नहीं बनेगा और उधर पत्नी ने कुत्ते के बजाय उसकी बौद्धिक नस्ल पर संदेह की सूई घुमानी शुरू कर दी थी। वह कुत्ते से पालतू बनने का मोल भाव करने लगा, लेकिन गली के कुत्ते को यह हुनर पसंद नहीं था। कुत्ते ने पालतू न बनने की सौगंध पर एक दिन शरीर त्याग दिया। अब वह एक ऐसा शव था जिसका प्रायश्चित करते हुए, बुद्धिजीवी उसे इज्जत से दफनाना चाहता था। वह सार्वजनिक भूमि पर एक गहरी खाई खोद ही रहा था कि वहां पालतू कुत्तों को घुमाते हुए कुछ नागरिक पहुंच गए। बुद्धिजीवी को खुदाई से रोकते हुए बोले, 'आप इस तरह अज्ञात नस्ल के कुत्ते को यहां नहीं दफना सकते। बेहतर होगा कहीं अन्यत्र कोशिश करें।' बुद्धिजीवी के पास अब एक आवारा कुत्ते की लाश और ढेरों सवाल थे।

तब तक पालतू कुत्ते उसका घेरा बना चुके थे कि तभी कुत्ते का शव बोला, 'पालतू दोस्तो, याद रखना, यह जो इनसान मेरी कब्र खोद रहा था, इसे नहीं मालूम इसकी कब्र किस किस ने खोद रखी है। इसे इनसानों की दुनिया ने कुछ नहीं समझा, फिर भी जिस जिद्दत से यह मुझ जैसे आवारा कुत्ते को पालतू बनाने में जुटा रहा, उससे लगता है कि एक दिन यह तमाम पालतू लोगों को मेरे जैसा आवारा बना सकता है। मैंने इसे आवारगी और भौंकने की भाषा समझा दी है।' वहां तमाम पालतू कुत्ते एक साथ आवारा कुत्ते और बुद्धिजीवी को देखकर सहम गए थे। -क्रमशः

चीनी-रूसी भाई-भाई

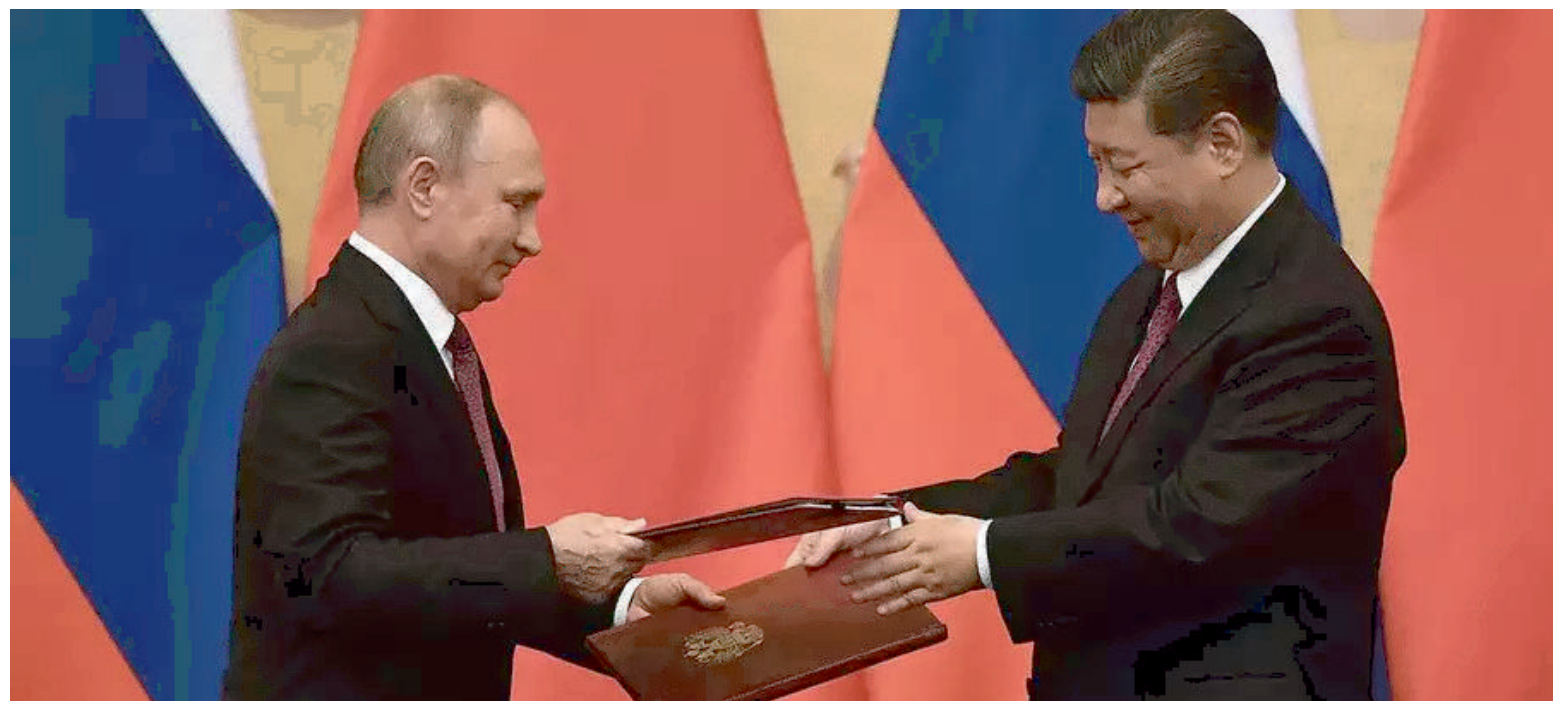

'चीनी-रूसी भाई-भाई' के नारे एक बार फिर गूंजने लगे हैं, तो क्या 'हिंदी-रूसी भाई-भाई' के परंपरागत और दोस्ती के नारों पर पुनर्विचार करना चाहिए? यह सवाल अहम और अनिवार्य है, क्योंकि रूस भारत का दशकों पुराना और आजमाया हुआ 'रणनीतिक मित्र' है और चीन हमारा घोषित दुश्मन है। यदि 'दुश्मन' जैसा कड़ा शब्द छोड़ दिया जाए, तो चीन हमारा कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। घुसपैठिया और अतिक्रमणवादी है। आज भी लद्दाख के मोर्चे पर दोनों देशों के हजारों सैनिक तैनात हैं। हर पल युद्ध के हालात बने रहते हैं। कई दौर की बातचीत की गई है, लेकिन वे नाटक लगती हैं, क्योंकि तनाव और अडियलपन जस का तस बरकरार है। यह बेहद अजीब स्थिति है कि चीन और भारत 'शत्रुवत' हैं और रूस-भारत घनिष्ठ मित्र हैं। तीसरा समीकरण रूस-चीन का है, जिसे 'अंतरंग दोस्ती' का नाम दिया गया है। राष्ट्रपति पद की नई शपथ लेने के बाद ब्लादिमीर पुतिन हाल ही में चीन गए थे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनकी मुलाकात हुई, शिखर संवाद हुआ और दोनों राष्ट्रपतियों ने साझा बयान भी जारी किया। बेशक चीन-रूस के अंतरंग रिश्तों और रणनीतिक साझेदारी पर शी-पुतिन ने एक बार फिर मुहर लगाई, लिहाजा हुंकार गूंजने लगी-रूसी चीनी भाई-भाई।' यह कोई सामान्य और औपचारिक मुलाकात नहीं थी। इसके कई अंतरराष्ट्रीय अर्थ और आयाम हैं। शी-पुतिन संवाद तथा बयान पर अमरीका खूब तिलमिलाया है, जबकि 'दोनों राष्ट्र भाई' दुनिया में टकराव और युद्ध के हालात के लिए अमरीका को ही 'दोषी' करार देते हैं। रूस और चीन के रिश्ते रणनीतिक तो हैं, लेकिन विचारात्मक संबंध भी ऐसे हैं, जिन्हें अलग नहीं किया जा सकता।

हालांकि अब उनका 'साम्यवाद' और 'वामपंथ' मात्र सतही रह गए हैं। वे भी पूंजीवाद के रास्ते पर हैं और देश के विभिन्न वर्गों में 'गहरी असमानता' है। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 'वीटोधारक' सदस्य हैं, लिहाजा एक-दूसरे के हितों और रणनीति की सुरक्षा करते हैं। सुरक्षा परिषद में पेश किए गए प्रस्तावों पर अपनी ही कूटनीति के मुताबिक 'वीटो' करते रहे हैं। रूस-चीन की दोस्ती हथियारों और युद्ध तक ही सीमित नहीं है। वे दुनिया में अमरीका-विरोधी ब्लॉक माने जाते हैं। जिस तरह अमरीका ने प्रशांत महासागर क्षेत्र में जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' संगठन बना रखा है, उसी तर्ज पर रूस-चीन संबंध हैं। रूस और चीन दुनिया में 'शीत युद्ध' की मानसिकता और वैश्विक सुरक्षा में अस्थिरता के लिए अमरीका को ही कसूरवार और जिम्मेदार मानते हैं। भारत के संदर्भ में चीन और अमरीका दोनों ही दोगले हैं। अमरीका चीन के खिलाफ भारत का 'इस्तेमाल' करता रहा है। भारतीय क्षेत्र में चीन ने बार-बार घुसपैठ की है और भारतीय इलाकों पर कब्जे भी किए हैं। चीन अरुणाचल, सिक्किम, हिमाचल आदि इलाकों में कुछ क्षेत्रों को 'चीनी' मानता है, जबकि वे भारत गणतंत्र का हिस्सा हैं। दूसरी ओर यूक्रेन रूस के खिलाफ जंग लड़ पा रहा है, क्योंकि अमरीका मुखौटा पहन कर रणक्षेत्र में है।

अमरीका और नाटो देश हथियारों और आर्थिक संसाधनों की मदद यूक्रेन को मुहैया न कराते, तो यूक्रेन कभी का 'मलबा' हो गया होता! अमरीका, यूरोप ने इस युद्ध के जरिए हथियारों का कारोबार भी किया है। अमरीका और पश्चिमी देशों ने रूस पर ऐसे आर्थिक प्रतिबंध थोपे थे कि वह बर्बाद हो जाए, दिवालिया निकल जाए, लेकिन रूस ने अपने दो मित्र देशों-भारत और चीन-की बदौलत अस्तित्व बचाए रखा। बल्कि यूरोप के कई देश गैस, ईंधन की कमी के कारण त्राहि-त्राहि करने लगे। गौरतलब तो यह है कि चीन-रूस की घोषित नई दोस्ती का प्रभाव क्या भारत पर पड़ेगा? भारत रूसी हथियारों और सुरक्षा प्रणालियों का सबसे बड़ा खरीददार है। कल्पना करें कि भारत-चीन में युद्ध छिड़ जाता है, तो रूस का रुख क्या रहेगा? सर्वोत्तम स्थिति यह होगी कि रूस तटस्थ रहेगा। यदि बदतर हालात बने, तो रूस चीन का समर्थन करेगा, उसे ही सहयोग देगा। फिर 'हिंदी-रूसी भाई-भाई' के ऐतिहासिक और सात दशकों से भी अधिक समय से गूंज रहे नारे का क्या होगा? क्या एक युद्ध ही भारत-रूस के रिश्तों को समाप्त कर देगा? बहरहाल, कूटनीति ऐसा संवेदनशील विषय है कि सरकारों को मंथन करना ही पड़ता है।

सीएम आवास में हिंसा

यह मुख्यमंत्री आवास है या मारपीट, गुंडई का कोई अड्डा..! कुछ अंतराल पहले, मुख्यमंत्री आवास में ही, तत्कालीन मुख्य सचिव के साथ हाथापाई की गई थी। खबरें तो मारपीट की भी आई थीं। मामला अदालत तक पहुंचा। अंततः क्या हुआ, कोई जानकारी नहीं। समय गुजरा, तो उस घटना पर धूल की परतें जम गईं। आखिर आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर और मुख्यमंत्री केजरीवाल के जीवन में क्या घट रहा है कि हालात सुलगते महसूस होते हैं। कोई विधायक अपनी पत्नी पर ही कुत्ता छोड़ देता है! कोई मंत्री राशन कार्ड बनवाने आई महिला के साथ बलात्कार करता है! शराब घोटाले में तो खुद केजरीवाल संलिप्त बताए गए हैं। 'आप' एक बड़े खोल में बेहद विस्फोटक पार्टी लगती है। ताजातरीन मामला पार्टी की ही राज्यसभा सांसद तथा 9 साल तक दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं स्वाति मालीवाल का है, जिनकी मुख्यमंत्री आवास में ही, पिटाई की गई। जाहिर है कि एक महिला के साथ बदसलूकी की गई, हिंसक व्यवहार भी किया गया, लिहाजा यह आपराधिक हरकत से कम नहीं है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 4 घंटे से अधिक समय तक संवाद करने के दौरान स्वाति मालीवाल ने खुलासा किया है कि मुख्यमंत्री के निजी स्टाफ ने उन्हें 5-6 थप्पड़ मारे। शरीर के निचले हिस्से पर लात मारी, छाती और पेट पर मुक्के मारे गए। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल उस दौरान घर के भीतर ही मौजूद थे। यदि मुख्यमंत्री आवास में महिला सांसद पर ऐसा हिंसक आक्रमण किया गया है, तो वह सिर्फ निजी सहायक की औकात नहीं हो सकती। क्या स्वाति पर हमला जानबूझ कर कराया गया? क्या मुख्यमंत्री अपने ही सांसद से मुलाकात नहीं करना चाहते थे? क्या केजरीवाल चाहते हैं कि स्वाति सांसदी छोड़ दें, ताकि अभिषेक मनु सिंघवी को सांसदी देकर 'उपकृत' किया जा सके?

यदि मुद्दा यही है, तो स्वाति पर हिंसक व्यवहार करने की जरूरत क्या थी? सबसे महत्वपूर्ण और मानवीय पक्ष यह है कि जिस महिला साथी की मुख्यमंत्री के घर के भीतर तक पहुंच रही है, एनजीओ 'परिवर्तन' के दौर से साथ-साथ काम करते रहे हों और जनवरी, 2024 में ही जिसे राज्यसभा सांसद चुना गया हो, ऐसे साथी पर ऐसा हिंसक आक्रमण करना वाकई हैरान करता है, चौंकाता भी है। स्वाति मालीवाल के बयानों और अढाई पन्नों की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। धाराओं 354, 506, 509 और 323 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने स्वाति का एम्स दिल्ली में मेडिकल भी कराया है। उधर राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार को तलब किया है। खुद 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इसे विभव कुमार की 'बदसलूकी' करार दिया है। क्या पुलिस विभव को गिरफ्तार करेगी? सवाल यह है कि मुख्यमंत्री आवास में ही ऐसी हिंसक गुंडई क्यों की गई? ऐसी नौबत ही क्यों आई? दरअसल स्वाति मुख्यमंत्री केजरीवाल से मिलने उनके सरकारी आवास गई थीं। जेल से बाहर आने के बाद वह मिल नहीं सकी थी। मुख्यमंत्री आवास के गेट पर सुरक्षा व्यवस्था ने उन्हें रोका था, क्योंकि मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात का अधिकृत समय तय नहीं था। फिर भी स्वाति घर के अंदर चली गई और ड्राइंग रूम में जाकर बैठ गई। यह सोमवार 13 मई की बात है। उसके 81 घंटों तक स्वाति खामोश रही। '112' नंबर पर फोन करके उन्होंने हिंसक हमले की जानकारी पुलिस को दी थी, लेकिन उसके बाद सभी पक्ष सोचते ही रहे।

मुख्यमंत्री केजरीवाल लखनऊ गए, तो विभव को साथ ले गए। वहां पत्रकारों ने बार-बार सवाल पूछे, तो वह माइक को अखिलेश यादव या संजय सिंह की ओर सरकाते रहे। एक शब्द तक नहीं बोले। पुलिस को शिकायतनामा देने के बाद स्वाति ने 'एक्स' पर लिखा है-मेरे साथ जो हुआ है, वह बहुत बुरा था। मैंने बयान दर्ज करा दिया है। आशा है कि उचित कार्रवाई होगी। भाजपा से भी गुजारिश है कि वह इस मुद्दे पर राजनीति न करे।'' बहरहाल यह कांड भी केजरीवाल पर भारी पड़ सकता है। अभी वह एक जून तक ही जमानत पर हैं। उसके बाद फिर जेल जाना ही पड़ेगा। यह आम चुनाव का दौर है। उसके दौरान ऐसे हिंसक कांडों से बचा जाना चाहिए था।

आरबीआई कर रहा इस बात का इंतजार, जानिए कब कम होगी आपकी EMI

परिवहन विशेष न्यूज

महंगाई के ढीले होते तेवर को देखकर यह सवाल उठने लगा है कि ब्याज दरों में कटौती कब होगी और इस बारे में आरबीआई कब फैसला करेगा। जानकारों की मानें तो चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही (तीसरी या चौथी तिमाही) में ही केंद्रीय बैंक की तरफ से ब्याज दरों को घटाकर कर्ज को सस्ता करने का कदम उठाया जा सकता है। आइए जानते हैं पूरी खबर।

नई दिल्ली। महंगाई के ढीले होते तेवर को देखकर यह सवाल उठने लगा है कि ब्याज दरों में कटौती कब होगी और इस बारे में आरबीआई कब फैसला करेगा। जानकारों की मानें तो चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही (तीसरी या चौथी तिमाही) में ही केंद्रीय बैंक की तरफ से ब्याज दरों को घटाकर कर्ज को सस्ता करने का कदम उठाया जा सकता है।

कुछ ऐसा ही संकेत हाल ही में एसबीआई की तरफ से सावधि जमा स्कीमों पर ब्याज दरों को बढ़ाने से भी मिल रहा है। बैंकिंग उद्योग के जानकारों का कहना है कि निकट भविष्य में कर्ज के सस्ता होने का असर जमा दरों पर भी दिखेगा यानी जमा दरें भी कम होंगी। ऐसे में एसबीआई जैसे बड़े बैंक ने पहले ही ज्यादा ब्याज देकर जमा संग्रह को आकर्षक बनाने का फैसला किया है।

विकसित देशों के फैसले का इंतजार

पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड की तरफ से पिछले हफ्ते जारी एक विस्तृत रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्याज दरों को घटाने से पहले आरबीआई लंबी अवधि तक ब्याज दरों को स्थिर रखेगा। इसके बाद आरबीआईइ विकसित देशों की तरफ से ब्याज दरों को घटाने के बाद ही भारत में इस तरह का कदम उठाएगा। भारत में अभी विकास दर और महंगाई की स्थिति को देखते हुए वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी या चौथी तिमाही में ही ब्याज दरों को घटाया जा सकता है।

पीजीआईएम के प्रमुख (फिक्स्ड इंकम) पुनीत पाल का कहना है कि देश की तेज आर्थिक विकास दर, नीचे स्तर पर आ चुकी महंगाई दर और बाहरी दुनिया की स्थिति बताती है कि भारत की अर्थव्यवस्था अभी काफी मजबूत स्थिति में है। आरबीआइ गवर्नर की अध्यक्षता होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा समिति की आगामी बैठक जून, 2024 में है।

जल्द होगा खत्म उच्च ब्याज दरों का दौर

सिर्फ भारतीय संदर्भ में ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भी यह अर्थविद यह मानने लगे हैं कि उच्च ब्याज दरों का दौर जल्द ही खत्म होगा। बैंक आफ इंग्लैंड के डिप्टी गवर्नर ने बेन ब्राडबेंट ने सोमवार (20 मई) को कहा है कि इस साल ब्रिटेन में ब्याज दरों में नरमी संभव है।

अमेरिका के बारे में आर्थिक विशेषज्ञों के बीच यह सहमति है कि वहां सितंबर, 2024 में फेडरल बैंक ब्याज दरों में कमी करेगा। हाल के वर्षों में आरबीआई ने हर बार अमेरिका के केंद्रीय बैंक की तरफ से ब्याज दरों में कटौती के बाद ही भारत में भी ऐसा फैसला किया है।

ब्याज दरों पर क्या है एक्सपर्ट की राय

इक्रा लिमिटेड की प्रमुख अर्थशास्त्री अदिति नायर का कहना है कि अप्रैल माह में खाद्य उत्पादों की महंगाई में थोड़ा वृद्धि होने के बावजूद संपूर्ण रूप से देखें तो महंगाई की दर में कमी आई है। हालांकि आगामी बैठक में ब्याज दरों को लेकर कोई फैसला होने की संभावना कम ही है।

वहीं, केयर रेटिंग्स की प्रमुख अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने कहा, 'उम्मीद है कि महंगाई की दर पूरे साल औसतन 4.8 प्रतिशत रहेगी। अगर खाने-पीने की चीजों की कीमतों में थोड़ी और नरमी आती है तो दूसरी छमाही में ही ब्याज दरों में कटौती देखी जा सकती है। दो चरणों में 0.50 आधार अंकों की कटौती की जा सकती है।'

घर खरीदने की सोच रहें तो जल्दी करें, आवासीय मकान की कीमतों में आ सकता है बड़ा उछाल

परिवहन विशेष न्यूज

रियल एस्टेट डेवलपर्स और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को उम्मीद है कि देश का रियल एस्टेट सेक्टर काफी तेजी ग्रोथ करने वाला है। Knight Frank-NAREDCO की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से मार्च दौरान करेंट इंडेक्स सेंटिमेंट में काफी सुधार दिखा। खासकर रेजिडेंशियल मार्केट का आउटलुक काफी शानदार है। इससे संकेत मिलता है कि आवासीय मकानों की कीमतों में जल्द उछाल आ सकता है। आइए जानते हैं पूरी खबर।

नई दिल्ली। रियल एस्टेट डेवलपर्स और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को उम्मीद है कि देश का रियल एस्टेट सेक्टर काफी तेजी ग्रोथ करने वाला है। Knight Frank-NAREDCO के मुताबिक, जनवरी से मार्च दौरान करेंट इंडेक्स सेंटिमेंट में काफी सुधार दिखा, जो अगले 6 महीने के लिहाज से काफी आशावादी है। देश की दमदार इकोनॉमिक ग्रोथ और प्रॉपर्टी की मजबूत डिमांड से सेंटिमेंट में सुधार आया है।

रियल एस्टेट कंसल्टेंट Knight Frank और इंडस्ट्री संगठन NAREDCO ने सोमवार को रियल एस्टेट सेंटिमेंट इंडेक्स Q1 2024 (जनवरी- मार्च) रिपोर्ट जारी की। यह सप्लाई-साइड स्टेकहोल्डर्स के सर्वे पर आधारित है। इसमें पता चलता है कि रियल एस्टेट के सप्लाई साइड यानी बिल्डरों के कॉन्फिडेंस में जबरदस्त उछाल आया है। वहीं, आवासीय मकानों की कीमतों में उछाल की भी संभावना है।

मार्च तिमाही में करेंट सेंटिमेंट इंडेक्स स्कोर 72 रहा, जो इससे पिछली तिमाही में 69 था। फ्यूचर सेंटिमेंट में भी उछाल दिखा। यह अक्टूबर-दिसंबर 2023 में 70 था, जो समीक्षाधीन तिमाही के दौरान 73 पर पहुंच गया। इस इंडेक्स में 50 का स्कोर न्यूट्रल माना जाता है। वहीं, इससे ऊपर का स्कोर पॉजिटिव और नीचे का नेगेटिव सेंटिमेंट समझा जाता है।

Knight Frank ने कहा, 'सेंटिमेंट इंडेक्स से पता चलता है कि रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े लोगों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा काफी मजबूत है। इससे रियल एस्टेट मार्केट की डिमांड में तेजी आ रही है।'

आवासीय बाजार सबसे मजबूत

Knight Frank और NAREDCO की रिपोर्ट, रेजिडेंशियल मार्केट का आउटलुक काफी शानदार है। इस सर्वे में शामिल करीब 82 फीसदी लोगों ने अनुमान जताया कि आवासीय मकानों के दाम बढ़ सकते हैं। इसी तरह ऑफिस मार्केट आउटलुक भी शानदार बना हुआ है। स्टेकहोल्डर्स को भरोसा है कि अगले छह महीनों में लीजिंग, सप्लाई और रेंट बेहतर होगा।

Knight Frank India के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर शिशिर बजाज का कहना है, 'करेंट सेंटिमेंट इंडेक्स स्कोर में बड़े उछाल की वजह भारतीय अर्थव्यवस्था का शानदार प्रदर्शन है। इस सेक्टर से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स का भरोसा बढ़ा है, फिर चाहे वो बिल्डर हों, या फिर खरीदार। रियल सेक्टर से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती का उन्हें लाभ मिलेगा।'

आयकर विभाग से आया नोटिस असली है या नहीं, ऐसे करें पता,

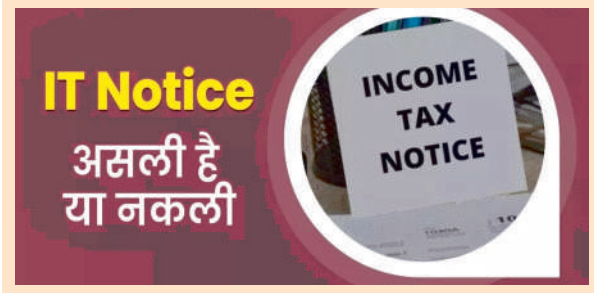

नई दिल्ली। कई करदाता के पास इनकम टैक्स डिपार्टमेंट (Income Tax Department) की तरफ से नोटिस (IT Notice) आ रहा है। वैसे तो इनकम टैक्स रिटर्न (Income Tax Return) में कोई गलत जानकारी होती है तब विभाग द्वारा नोटिस भेजा जाता है। अगर आपके पास विभाग द्वारा कोई नोटिस आया है तो आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप आसानी से उसका जवाब दे सकते हैं।

कई करदाता नोटिस आने के बाद घबरा जाते हैं, जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। आपको बता दें कि कई बार जालसाज भी धोखाधड़ी करने के लिए नकली आईटी नोटिस भेजते हैं। इसलिए हमें पहले इसकी जांच करनी चाहिए कि आईटी नोटिस असली है या फिर नकली। आज हम आपको बताएंगे कि आप कैसे आईटी नोटिस को वेरीफाई कर सकते हैं।

ई-मेल आईडी चेक करें

आपको किस ई-मेल आईडी के जरिये नोटिस मिला है उसे अवश्य जांचे। आपको बता दें कि आयकर विभाग अपने आधिकारिक आईडी से नोटिस भेजता है। विभाग के ऑफिशियल आई-डी के अंत में incometax.gov.in (उदाहरण के तौर पर intimations@cpc.incometax.gov.in) लिखा होता है।

ऑफिशियल वेबसाइट चेक करें

आप आयकर विभाग के ऑफिशियल वेबसाइट से भी नोटिस को वेरीफाई कर सकते हैं। जब आप वेबसाइट में लॉग-इन करेंगे तो आपको बाईं ओर 'आईटीडी द्वारा जारी नोटिस/आदेश प्रमाणित करें'' इस पर क्लिक करें। इसके बाद आपको स्क्रीन पर आसानी से चेक कर सकते हैं कि आपको जो नोटिस मिला है वो असली है या नकली।

क्या रिटायरमेंट से पहले पेंशन के लिए किया जा सकता है अप्लाई? यहां जानें क्या कहता है ईपीएफओ का नियम

अर्ली पेंशन वैसे तो जब 58 उम्र के बाद पेंशन (पेंशन) लाभ मिलता है पर क्या आप जानके हैं कि ईपीएस स्कीम ( ) में आप रिटायरमेंट से पहले पेंशन का लाभ उठा सकते हैं। रिटायरमेंट से पहले पेंशन के लिए ईपीएफओ के अलग नियम होते हैं। अगर आप भी रिटायरमेंट से पहले पेंशन का लाभ उठाना चाहते हैं तो आपके लिए यह आर्टिकल जरूरी है।

नई दिल्ली। रिटायरमेंट के बाद पेंशन (Pension) का लाभ पाने के लिए कई लोग ईपीएस स्कीम (EPS Scheme) में निवेश करना पसंद करते हैं। ईपीएफओ (EPFO) स्कीम में निवेशक के साथ कंपनी द्वारा हर महीने एक निश्चित राशि पीएफ अकाउंट में जमा की जाती है। निवेश राशि पर सरकार द्वारा सालाना ब्याज मिलता है।

ईपीएफओ के इस स्कीम में निवेशक आसानी से को रिटायरमेंट के बाद निवेशक को एकमुश्त राशि के साथ पेंशन का लाभ मिलता है। पेंशन का लाभ केवल उन मेंबर्स को मिलते हैं जो 10 साल से ज्यादा समय तक प्रोविडेंट फंड में निवेश करते हैं। आपको बता दें कि पेंशन का लाभ तब मिलता है जब निवेशक की आयु 58 वर्ष की होती है।

अगर कोई निवेशक 58 वर्ष से पहले पेंशन (Early Pension) लेना चाहता है तो उसका तरीका अलग होता है।

कैसे कर सकते हैं क्लेम

अर्ली पेंशन के लिए निवेशक की आयु 50 साल से 58 साल के बीच होनी चाहिए। अगर निवेशक की आयु 50 साल से कम होती है तो उसे पेंशन का लाभ नहीं मिलता है। आपको बता दें कि निवेशक अगर लगातार 2 महीने से बेरोजगार है तो वह पीएफ फंड से पूरी राशि निकाल सकता है।

अर्ली पेंशन के लिए निवेशक को Composite Claim Form भरकर जमा करना होगा। इसके अलावा उसे Form 10D का ऑप्शन भी सेलेक्ट करना होगा।

पाकिस्तान के साथ नरमी बरतने के मूड में नहीं IMF! पेंशन पर टैक्स थोपने को कहा, GST भी बढ़ानी होगी

नई दिल्ली। पाकिस्तान इस वक्त भारी आर्थिक संकट से जूझ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने उसे इस संकट से उबारने के लिए काफी सख्त शर्तें रखी हैं, जिससे महंगाई से जूझ रही जनता की कमर टूट सकती है। पाकिस्तानी समाचार एजेंसी ARY न्यूज के मुताबिक, IMF मिशन ने पाकिस्तानी अधिकारियों से कहा है कि वे 1 लाख रुपये अधिक मासिक पेंशन पर टैक्स लगाएं। ग्लोबल लेंडर IMF की एक अन्य 'मांग' यह है कि पाकिस्तान को नए बेलआउट पैकेज के लिए पेंशन रिफॉर्म्स करने की जरूरत होगी। पाकिस्तान और IMF के बीच नए लोन के लिए बातचीत आखिरी दौर में पहुंच गई है। IMF की मिशन टीम मंगलवार को पाकिस्तान अधिकारियों के साथ नीतिगत वार्ता शुरू करेगी।

नरमी बरतने के मूड में नहीं IMF

IMF ने पेंशन पर जो टैक्स लगाने का 'सुझाव' दिया है, उसका असर सिर्फ रईस पेंशनभोगियों पर होगा। इससे पाकिस्तान के नीति निर्माता उम्मीद कर सकते हैं कि उन्हें इसके लिए जरूरी विधायी समर्थन मिल जाएगा। लेकिन, आईएमएफ और पाकिस्तान के बीच मौजूदा बातचीत से स्पष्ट जाहिर है कि नए बेलआउट प्रोग्राम के लिए पाकिस्तानी हुकूमत को कड़े आर्थिक उपायों को लागू करना होगा।

क्या 1 लाख के पार जाएगा चांदी का भाव? जानिए कीमतों में तेजी की वजह

पिछले कुछ समय से चांदी के दाम लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। यह नए उच्चतम स्तर 93000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। इस साल फरवरी से चांदी के भाव 16000 रुपये बढ़ चुका है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि चांदी का किन चीजों में इस्तेमाल होता है और इसकी कीमतों में तेज उछाल की क्या वजह है।

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से चांदी के दाम लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। यह नए उच्चतम स्तर 93,000 रुपये किलो पर पहुंच गई है। तेजी का यह मौजूदा दौर करीब तीन महीने पहले शुरू हुआ। 14 फरवरी को चांदी का भाव ठीक 74,000 रुपये प्रति किलो था। लेकिन, उसके बाद से इसमें लगभग 19,000 रुपये का उछाल आ चुका है।

आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि चांदी का किन चीजों में इस्तेमाल होता है और इसकी कीमतों में तेज उछाल की क्या वजह है।

क्या जेवरात हैं दाम बढ़ने की वजह?

भारतीयों का सोने और चांदी से लगाव कोई छिपी बात नहीं। भू-राजनीतिक तनाव की वजह से पिछले कुछ समय के दौरान गोल्ड की कीमतें काफी तेजी से बढ़ी हैं। भारत समेत दुनियाभर के केंद्रीय बैंक भी गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहे हैं, ताकि अचानक आने वाली मुश्किलों का मुकाबला किया जा सके।

भारत में चांदी की डिमांड पूरी करने में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) की अहम भूमिका है। इसके CEO अरुण मिश्रा का कहना है कि सोने का भाव बढ़ने के लिए जेवरात के शौकीनों ने चांदी का रुख किया है। इसमें बड़ी संख्या नौजवानों की है। इससे चांदी की डिमांड बढ़ रही है और उसका असर कीमतों पर भी दिख रहा है।

कहां होता है चांदी का इस्तेमाल?

सोने और चांदी का जिक्र भले ही एकसाथ होता हो, लेकिन दोनों को एक जैसा नहीं माना जाता। इनका इस्तेमाल भी अलग-अलग होता है। चांदी की बात करें, यह सोने के मुकाबले कम दुर्लभ है। इस वजह से इसका दाम भी कम है। सोने का जेवरात और निवेश को छोड़कर ज्यादा इस्तेमाल नहीं होता। लेकिन, चांदी का जेवरात से ज्यादा इंडस्ट्रियल इस्तेमाल अधिक होता है। खासकर, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में।

चांदी इलेक्ट्रिक स्विच, सोलर पैनल और RFID चिप्स का प्रमुख घटक है। इसका तकरीबन सभी कंप्यूटर, मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल और इक्विपमेंट में इस्तेमाल होता है। पिछले साल चांदी की ग्लोबल डिमांड में करीब 11 प्रतिशत का उछाल आया है।

चांदी का इकोनॉमी से कनेक्शन

चांदी का इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। इसका मतलब है कि अगर इकोनॉमी मजबूत होगी, मैन्युफैक्चरिंग बढ़ेगी, तो चांदी की डिमांड भी बढ़ेगी, साथ में कीमतें भी। इस साल दुनियाभर में चांदी की डिमांड 1.2 अरब औंस तक पहुंचने का अनुमान है। अगर ग्लोबल इकोनॉमी में कोई बड़ा उतार-चढ़ाव नहीं आता, तो चांदी के दाम में भी भारी आ सकता है।

चांदी के भाव में तेजी क्यों?

चांदी के दाम में तेजी की कई वजहें हैं। हिंदुस्तान जिंक के CEO अरुण मिश्रा का कहना है, 'चांदी की औद्योगिक डिमांड लगातार बढ़ रही है। इसका सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर सेक्टर में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। चांदी मुद्रास्फीति से बचाव में भी अहम भूमिका रहती है। हमारा अनुमान है कि चांदी की कीमतें जल्द ही 31-32 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस को पार कर जाएंगी। फिलहाल यह लगभग 29 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर कारोबार कर रही है, जो नया उच्चतम स्तर है।'

इंडस्ट्रियल डिमांड अधिक है या कंज्यूमर?

चांदी की डिमांड दोनों वजह से बढ़ रही है। इस वक्त शादियों का सीजन चल रहा है। अब युवाओं के बीच चांदी से बने गहनों की डिमांड काफी है। खासकर, हाथ, गले और पैरों में पहने जाने वाली ज्वैलरी की। साथ ही, सरकार रिन्यूएबल एनर्जी पर काफी फोकस कर रही है। इससे भी चांदी की डिमांड भारी तेजी है, क्योंकि यह सोलर पैनल का एक अहम हिस्सा है।

चांदी की कीमतों में उछाल जारी रहेगा?

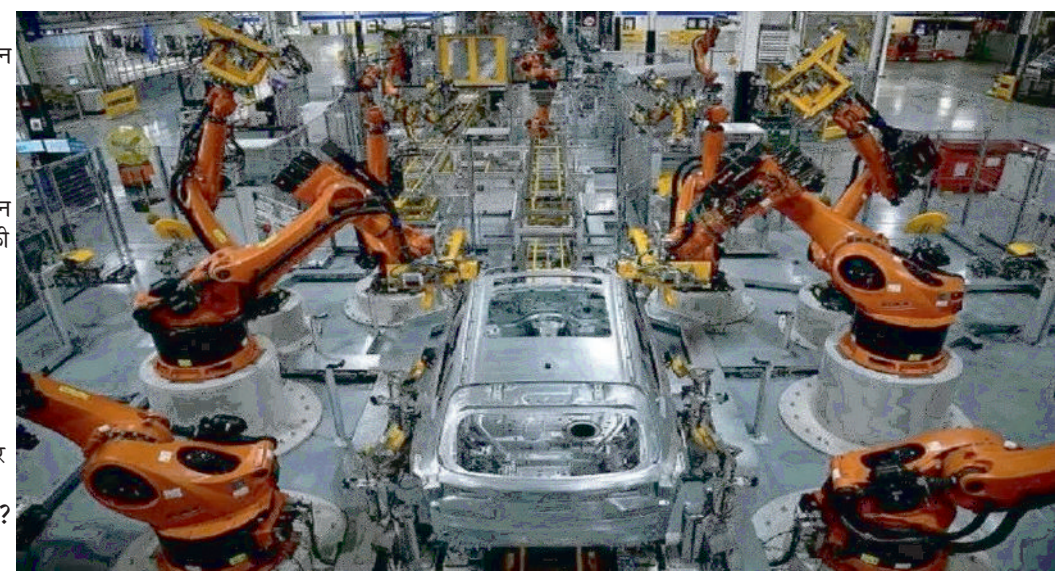

हिंदुस्तान जिंक के अरुण मिश्रा का अनुमान है कि अब चांदी के दाम में लगातार तेजी आएगी, फिर चाहे बात निकट अवधि की हो, या दीर्घकालिक। चांदी का फोटोवोल्टिक्स (पीवी) के रूप में दुनियाभर में इस्तेमाल बढ़ रहा है। यह तकनीक धूप को सीधे बिजली में कन्वर्ट करती है। इससे जाहिर है कि चांदी की तेज डिमांड बनी रहेगी और उसकी कीमतों में उछाल आएगा।

अमेरिका के सिल्वर इंस्टीट्यूट का दावा है कि चांदी मौजूदा दौर में हाई-बीटा वर्जन है। फिलहाल, बाजार की स्थितियां संकेत दे रही हैं कि चांदी की कीमतों में उछाल का दौर बना रहेगा।

भीषण गर्मी के चलते स्कूलों की छुट्टियों को लेकर दिल्ली सरकार का अहम आदेश

दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों को आदेश दिया है कि वो गर्मियों की छुट्टियां का एलान करें। इनमें निजी और सरकारी प्राप्त स्कूल शामिल हैं। दिल्ली में गर्मी का कहर जारी है। कई इलाकों में तापमान 47 डिग्री से ऊपर पहुंच रहा है। दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने सभी स्कूलों को 11 मई से 30 जून तक गर्मी की छुट्टियां मनाने का निर्देश दिया है।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों को आदेश दिया है कि वो गर्मियों की छुट्टियां का एलान करें। इनमें निजी और सरकारी प्राप्त स्कूल शामिल हैं। इस दिल्ली में गर्मी का कहर जारी है। कई इलाकों में तापमान 47 डिग्री तक पहुंच रहा है और भीषण लू चल रही है।

दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने कहा कि सभी स्कूलों को 11 मई से 30 जून तक गर्मी की छुट्टियां मनाने का निर्देश दिया गया है। सभी स्कूल 11 मई से बंद हैं। हालांकि, यह देखा गया है कि कुछ सरकारी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त निजी स्कूल अभी भी चल रहे हैं। इस भीषण गर्मी में बच्चों की तबीयत खराब होने का डर है।

शिक्षा निदेशालय ने इसीलिए सभी स्कूलों को तत्काल प्रभाव से गर्मी की छुट्टियों के लिए स्कूल बंद करने की सलाह दी है।

दिल्ली में गर्मी से हाल बेहाल

दिल्ली में सोमवार को भी कई इलाकों में तापमान 47 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया है। दिल्ली में रविवार को तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार का तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस और शुक्रवार को 42.5 डिग्री सेल्सियस था।

सोमवार को नजफगढ़ में अधिकतम तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले दक्षिण-पश्चिम दिल्ली क्षेत्र में 47.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था, जो इस मौसम में देश में अब तक का सबसे अधिक तापमान है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने अगले पांच दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए दिल्ली के कई हिस्सों में लू और अन्य क्षेत्रों में भीषण लू की स्थिति की भविष्यवाणी की है।

'अंजली हत्याकांड में शामिल CID को किया जाएगा ट्रांसफर', कर्नाटक के गृह मंत्री ने दिया परिजनों को न्याय दिलाने का विश्वास

गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शोक संतृप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और लोकसभा चुनाव के बाद परिवार को आवास और मुआवजा दिए जाने का वादा किया।गृह मंत्री से मुलाकात के दौरान अंजली की दादी गंगम्मा ने कहा कि आरोपित को मौत की सजा दी जाए।उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने आरोपित को कानून के अनुसार सजा दिलाने का वादा किया है। हमें मंत्री के आश्वासन पर भरोसा है।

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि अंजली के सनसनीखेज हत्या की जांच सीआइडी को स्थानांतरित की जाएगी। वह सोमवार को अंजली के परिजनों से मिले और उन्हें न्याय दिलाने का विश्वास दिलाया।

गत 15 मई को शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर 20 वर्षीय अंजली अंबिगेरा की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के दो दिन आरोपित गिरीश सावंत को दावणगेरे से गिरफ्तार कर लिया गया था। घटना से क्षुब्ध अंजली की बहन ने हाल ही में खुदकुशी की कोशिश की थी।

परिवार को आवास और मुआवजा दिए जाने का वादा

गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शोक संतृप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और लोकसभा चुनाव के बाद परिवार को आवास और मुआवजा दिए जाने का वादा किया। गृह मंत्री से मुलाकात के दौरान अंजली की दादी गंगम्मा ने कहा कि आरोपित को मौत की सजा दी जाए।

'हमें मंत्री के आश्वासन पर भरोसा है'

उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने आरोपित को कानून के अनुसार सजा दिलाने का वादा किया है। हमें मंत्री के आश्वासन पर भरोसा है। बता दें कि गत 18 अप्रैल को हुबली के एक कालेज में सहपाठी द्वारा छात्रा नेहा हिरेमथ की हत्या कर दी गई थी। इस मामले की जांच सीआइडी कर रही है।

ओड़शिा मे शाम 5 बजे तक 60.55 फीसदी वोटिंग

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर : ओडिशा में आज दूसरे चरण के चुनाव के लिए वोट डाले जा रहे हैं, लोग जमकर वोटिंग कर रहे हैं। सुबह मौसम अच्छा होने के कारण लोग बड़ी संख्या में वोट डालने आ रहे हैं। वोटिंग सुबह 7 बजे से शुरू हुई और शाम 6 बजे तक चलेगी। राज्य चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, शाम 5 बजे तक 60.55 फीसदी मतदान हो चुका है ।शाम 5 बजे तक 60.55 फीसदी वोटिंग ।

-कबीसूर्यनगर- 56.66 फीसदी
-कांटाबांजी- 55.15 प्रतिशत मतदान
-कांतमल- 55.30 प्रतिशत
-खल्लीकोट- 58.23 फीसदी
-लुइसिंघा- 58.45 प्रतिशत
-पदमपुर- 65.32 फीसदी
-पटनागढ़- 60.1 प्रतिशत
-भविष्यवाणी- 59.25 फीसदी
- पोलसारा - 58.66 प्रतिशत
-रघुनाथपाली- 58.25 प्रतिशत
-राजगांगपुर- 57.58 फीसदी
- राउरकेला- 55.16 फीसदी
- सांखेमुंडी- 57.39 फीसदी
- सोनपुर- 71.35 फीसदी
- सोराडा- 47.80 प्रतिशत
-सुंदरगढ़- 62 फीसदी
-तलसरा- 65 फीसदी
-टिटिलागढ़- 61.91 फीसदी
वोटिंग

'देश की ओपन एयर जेलों का क्षेत्र कम नहीं करें', SC ने विभिन्न नामों से खुली जेलों पर विशेष ध्यान रखने की दी हिदायत

सुप्रीम कोर्ट ने देश में स्थापित ओपन एयर जेलों के क्षेत्र को कम करने का प्रयास नहीं करने के निर्देश दिए हैं।खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि देश में जहां कहीं भी ओपन एयर कैंपसंस्थान या जेलें हों उनके फैलाव या क्षेत्र को कम नहीं किया जाए।अदालत में पेश किए गए रिकार्ड में विभिन्न नामों से ऐसी कई खुली जेलों पर विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी गई है।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश में स्थापित 'ओपन एयर जेलों' के क्षेत्र को कम करने का प्रयास नहीं करने के निर्देश दिए हैं। सेमी-ओपन या ओपन जेलों में दोषियों को परिसर के बाहर काम करने का मौका मिलता है। अपनी आजीविका कमाकर वह शाम को जेल में लौट आते हैं। इन कम बंदिशों वाली जेलों को स्थापित करने का उद्देश्य दोषियों को समाज से तालमेल बिठाने में मदद करना और जेल के बाहर सामान्य जीवन जीने में मनोवैज्ञानिक दबाव कम करना है।

जेलों के लिए तैयार की गई है तालिका

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने जेलों और कैदखानों के विषय में न्याय मित्र के तौर पर नियुक्त प्रख्यात वकील के.परमेश्वर की राय ली है। के.परमेश्वर ने एक मॉडल मैनुअल ड्राफ्ट पेश किया, जिसे केंद्र सरकार ने तैयार किया है। इसके तहत ओपन एयर कैंपों, संस्थानों और जेलों के लिए तालिका तैयार की गई है।

पीठ ने क्या कहा ?

खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि देश में जहां कहीं भी ओपन एयर कैंप, संस्थान या जेलें हों उनके फैलाव या क्षेत्र को कम नहीं किया जाए। अदालत में पेश किए गए रिकार्ड में विभिन्न नामों से ऐसी कई खुली जेलों पर विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी गई है। सर्वोच्च अदालत ने राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल और बंगाल को ऐसी जेल सुविधाओं को सर्वश्रेष्ठ व्यवस्थाओं, नियमों और दिशा-निर्देशों के तहत संचालित करने को कहा है।

खंडपीठ ने इस मामले का लिया संज्ञान

साथ ही नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (नाल्सा) से जुड़ कर जेलों के विस्तार और प्रबंधन पर काम किया जाए। खंडपीठ के विगत 17 मई के आदेश में कहा गया है कि वह केंद्रीय गृह मंत्रालय को निर्देशित करते हैं कि हाल के सालों में आए मॉडल जेल मैनुअल, 2016 और मॉडल जेल अधिनियम, 2023 कानूनों के संदर्भ में वह यथास्थिति रिपोर्ट दें। खंडपीठ ने इस बात का संज्ञान लिया कि जयपुर में सांगानेर ओपन एयर कैंप के क्षेत्र को कम करने का प्रस्ताव है।

तीन नए आपराधिक कानून के खिलाफ वापस लेनी पड़ी याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने कहा-बहुत हल्के तरीके से...

संसद ने पिछले साल दिसंबर में तीन नये आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पारित किये थे। इन कानूनों को राष्ट्रपति ने दिसंबर में ही मंजूरी दे दी थी। ये तीनों कानून एक जुलाई से लागू होने वाले हैं। ये कानून आइपीसी सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे।

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट (Supreme Court) ने सोमवार को तीन नए आपराधिक कानूनों (Three New Criminal Laws In India) की वैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कानून अभी लागू भी नहीं हुए हैं। कोर्ट का नकारात्मक रुख देखते हुए याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली। वकील विशाल तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर तीन नये आपराधिक कानूनों को चुनौती दी थी। साथ ही कानूनों पर रोक लगाने की भी मांग की थी।

तिवारी की याचिका सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और पंकज मित्तल की अवकाशकालीन पीठ में सुनवाई के लिए लगी थी। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई को लेकर रुचि नहीं दिखाई। पीठ ने कहा कि अभी तो कानून लागू भी नहीं हुए हैं। वह याचिका खारिज कर रहे हैं। याचिका पर टिप्पणी करते हुए पीठ ने कहा कि यह बहुत ही हल्के तरीके से दाखिल की गई है।

जब विशाल तिवारी ने याचिका पर बहस करनी चाही तो पीठ ने कहा कि अगर वह मामले पर बहस करेंगे तो यह याचिका जुर्माने सहित खारिज की जाएगी। पीठ का नकारात्मक रुख देखते हुए तिवारी ने कोर्ट से याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। जिसके बाद तिवारी ने याचिका वापस ले ली।

संसद ने पिछले साल दिसंबर में तीन नये आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पारित किये थे। इन कानूनों को राष्ट्रपति ने दिसंबर में ही मंजूरी दे दी थी। ये तीनों कानून एक जुलाई से लागू होने वाले हैं। ये कानून आइपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे।

विशाल तिवारी ने याचिका में तीनों नये कानूनों को चुनौती देते हुए कहा था कि इन कानूनों के विधेयक संसद में बिना चर्चा के पारित हुए थे क्योंकि उस समय अधिकतर विपक्षी सदस्य निलंबित थे। याचिका में मांग की गई थी कि कोर्ट एक विशेषज्ञ समिति गठित करे जो तीनों कानूनों की व्यवहारिकता का आंकलन करे।

आखिर 13 मई को सीएम आवास क्यों गई थीं स्वाति मालीवाल? BJP नेता

भाजपा नेता आर.पी. सिंह ने कहा यह आम आदमी पार्टी की नियमित संचालन प्रक्रिया है कि उनका कोई नेता जब भी पार्टी छोड़कर जाता है या आरोप लगाता है तो कहा जाता है कि उसपर दबाव था। जब आतिशी AAP में आई नहीं थी उसके 10 साल पहले से स्वाति मालीवाल उनके(AAP) NGO में काम करती थी वे अरविंद केजरीवाल की खास सहयोगी थी।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट के मामले की दिल्ली पुलिस जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने सीएम केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को गिरफ्तार किया है और उसे कोर्ट ने 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस बिभव से घटना के पीछे के सभी कारणों के बारे में पूछताछ कर रही है। वहीं बीजेपी नेता आरपी सिंह ने इसके पीछे की वजह बताई है।

भाजपा नेता आर.पी. सिंह ने कहा, ₹यह आम आदमी पार्टी की नियमित संचालन प्रक्रिया है कि उनका कोई नेता जब भी पार्टी छोड़कर जाता है या आरोप लगाता है तो कहा जाता है कि उसपर दबाव था। जब आतिशी AAP में आई नहीं थी, उसके 10 साल पहले से स्वाति मालीवाल उनके(AAP) NGO में काम करती थी, वे अरविंद केजरीवाल की खास सहयोगी थी।₹

आरपी सिंह ने घटना के पीछे की बताई ये वजह

आरपी सिंह ने कहा, ₹मूल बात यह है कि इनकी स्टार प्रचारकों की लिस्ट से इन्होंने स्वाति मालीवाल का नाम काटकर उसमें सुनीता केजरीवाल का नाम जोड़ा। इसकी जानकारी लेने, वे सीएम के घर गई। यह उन्हें हजम नहीं हुआ कि कैसे कोई पूछने आ सकता है। वे (अरविंद केजरीवाल) जवाब नहीं दे रहे कि मुख्यमंत्री आवास में कैसे पिटाई हुई।₹

18 मई को सीएम आवास से गिरफ्तार हुआ बिभव

बता दें, स्वाति मालीवाल ने बिभव कुमार पर 13 मई को सीएम आवास पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। स्वाति ने बिभव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद से बिभव फरार चल रहे थे। बाद में बिभव को 18 मई को सीएम आवास से ही गिरफ्तार कर लिया गया। बिभव को तीस हजारी कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 5 दिनों तक पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। दिल्ली पुलिस उसे सोमवार को जांच के सिलसिले में सीएम आवास भी लेकर आई थी।

प्रचंड गर्मी से बचने को एसी-कूलर बने सहारा, मई में बिजली की बढ़ी इतनी मांग कि टूट गया रिकॉर्ड

गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की खपत भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने लगी है। सोमवार अपराह्न 322 बजे अधिकतम मांग 7572 मेगावाट तक पहुंच गई। इससे पहले मई में इतनी मांग कभी नहीं रही है। मौसम को देखते हुए आने वाले दिनों में मांग 8200 मेगावाट से ऊपर ऊपर पहुंच सकती है। मई में ही मांग में 28 सौ मेगावाट से अधिक की वृद्धि हुई है।

नई दिल्ली। गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की खपत भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने लगी है। सोमवार अपराह्न 3:22 बजे अधिकतम मांग 7572 मेगावाट तक पहुंच गई। इससे पहले मई में इतनी मांग कभी नहीं रही है। मौसम को देखते हुए आने वाले दिनों में मांग 8200 मेगावाट से ऊपर ऊपर पहुंच सकती है। मई में ही मांग में 28 सौ मेगावाट से अधिक की वृद्धि हुई है।

दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग का रिकॉर्ड 29 जून, 2022 को बना था। उस दिन मांग 7695 मेगावाट तक पहुंच गई थी। यदि मौसम का यही हाल रहा तो अगले कुछ दिनों में यह रिकॉर्ड टूट सकता है। दिल्ली में लगातार तीसरे दिन सात हजार मेगावाट से मांग ऊपर रही है।

एसी, कूलर का प्रयोग बढ़ा

अधिकतम मांग के साथ ही न्यूनतम मांग में भी वृद्धि हो रही है। बिजली वितरण कंपनियों का कहना है कि गर्मी के कारण एयर कंडीशनर, कूलर, पंखे आदि का उपयोग अधिक हो रहा है, जिससे बिजली की मांग बढ़ रही है।

मई में बिजली की अधिकतम मांग

तिथि	2024	2023	2022
एक मई	4738	3644	6048
पांच मई	5363	3963	5409
10 मई	6529	4630	6270
15मई	6486	5733	6732
17 मई	6987	5953	6786
18 मई	7174	5595	6665
19 मई	7164	5518	7070
20 मई	7572	5527	6943

पिछले वर्ष अधिकतम मांग 22 अगस्त, 2023 को 7438 मेगावाट थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023